दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04, अंक 17 | ग्वालियर शनिवार 6 मार्च 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

पीएम मोदी बोले

कोरोना काल में भारत कर रहा दुनिया की सेवा, कई देशों को वैक्सीन दी गई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम को लेकर वेबिनार को संबोधित किया। कोरोना वायरस की वजह से ये कार्यक्रम डिजिटल तरीके से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल में भारत दुनिया की सेवा कर रहा है और कई देशों को वैक्सीन दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 6-7 सालों में हमने मेक इन इंडिया को अलग-अलग स्तरों पर मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम में कहा कि हमारे सामने दुनियाभर से उदाहरण हैं जहां देशों ने अपनी मैन्यूफैदैनिक भास्कर रिंग क्षमता को बढ़ाकर, देश के विकास को गति दी है।

पीएम मोदी ने कहा कि बढ़ती हुई मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता देश में रोजगार सृजन को भी उतना ही बढ़ाती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी नीति और रणनीति, हर तरह से स्पष्ट है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सोच न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन की और हमारी अपेक्षा जीरो इफेक्ट और जीरो डिफेट है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार मानती है कि हर चीज में सरकार का दखल समाधान के बजाय समस्याएं ज्यादा पैदा करता है। इसलिए हम स्व नियमन, स्व प्रमाणन पर जोर दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) जिस सेक्टर के लिए है, उसको तो लाभ हो ही रहा है, इससे उस सेक्टर से जुड़े पूरे इकोसिस्टम को फायदा होगा। ऑटो और फार्मा में पीएलआई से,ऑटो पार्ट्स, मेडिकल इक्विपमेंट्स और दवाओं के रॉ मटीरियल से जुड़ी विदेशी निर्भरता बहुत कम होगी। पीएम मोदी ने आगे कहा कि अगले पांच साल में पीएलआई स्कीम के तहत भारत 520 बिलियन डॉलर के प्रोडक्ट मैन्यूफैक्चर किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस वर्ष के बजट में पीएलआई स्कीम से जुड़ी इन योजनाओं के लिए करीब दो लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रोडक्शन का औसतन पांच फीसदी इंसेंटिव के रूप में दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत में आज जो विमान वैक्सीन की लाखों डोज लेकर दुनियाभर में जा रहे हैं, वो खाली नहीं आ रहे हैं।

बढ़ रहे केस में कमी नहीं आई तो 8 मार्च से नाइट कर्फ्यू

भोपाल। भोपाल और इंदौर में तेजी से बढ़ रहे कोरोना केस को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चिंता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार देर शाम कोरोना की समीक्षा बैठक में कहा कि भोपाल और इंदौर में तेजी से बढ़ रहे केस में कमी नहीं आई, तो 8 मार्च से नाइट कर्फ्यू लगाया जाएगा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बताया गया कि इंदौर में मिले लंदन वैरिएंट से प्रभावित 6 मरीज मिले हैं। चिंता की बात यह है कि जिन लोगों की रिपोर्ट में यह संक्रमण पाया गया है, वे कभी इंदौर से बाहर नहीं गए। बैठक में बताया गया कि ऐसे संदिग्ध 100 मरीजों के सैंपल दिल्ली भेजे गए थे, जिसमें से 6 में लंदन वैरिएंट संक्रमण की पुष्टि हुई है। यह अधिक घातक है और इसकी संक्रामक क्षमता तुलनात्मक रूप से अधिक है। इंदौर में पिछले सप्ताह प्रतिदिन औसतन 151 प्रकरण बढ़े हैं। इसी प्रकार भोपाल में 78, जबलपुर में 16, बैतूल में 13 और छिंदवाड़ा व उज्जैन में 11-11 प्रकरणों की प्रतिदिन औसतन वृद्धि हुई है। इंदौर में पिछले 15 दिनों में प्रकरणों की संख्या दोगुनी हो गई है। इस गंभीरता को देखते हुए इंदौर और भोपाल में सावधानियां बरतना और सख्ती करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने दुकानदारों से सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करने, मास्क लगाने और अन्य सावधानियां बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि दुकानदार दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करें, जो दुकानदार बिना मास्क के दुकान पर बैठेंगे या बिना मास्क लगाए व्यक्तियों को सामान देंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सामान्य तौर पर रोको-टोको के लिए भी भोपाल और इंदौर में तत्काल प्रभाव से अभियान आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, उज्जैन और महाराष्ट्र से लगे जिलों में कोरोना से प्रभावित प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह बोले:10वीं-12वीं की परीक्षाओं के दौरान

नहीं होंगे नगरीय निकाय चुनाव

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त बीपी सिंह ने कहा है, मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी पूरी है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की तरफ से श्वङ्करू की चैंकिंग और सेटअप के लिए इंजीनियर मिलने में देरी हो रही है। सिंह ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के दौरान चुनाव नहीं कराए जाएंगे। बता दें, प्रदेश में 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 20 अप्रैल से 18 मई तक होंगी। इस हिसाब से देखें, तो चुनाव अप्रैल माह में होंगे या फिर मई के तीसरे सप्ताह में कराए जाएंगे, लेकिन EVM की चैकिंग और सेटअप के लिए इंजीनियर कब आएंगे, यह अभी तक आयोग को जानकारी नहीं है। आयुक्त ने बताया कि EVM देने वाली इलेक्ट्रॉनिक कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने इंजीनयर पांच राज्यों पश्चिम बंगाल,

तामिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी भेज दिए हैं, जबकि मप्र में EVM की चैकिंग के लिए 424 इंजीनियर्स की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम लगातार कंपनी के संपर्क में हैं, ताकि श्वङ्करूमशीनों की जांच जल्दी हो जाए। आयुक्त सिंह ने इस संभावना से इंकार किया है कि कोरोना के केस प्रदेश में बढ़ने के कारण चुनाव कुछ समय के लिए टाले जाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बताया, कोरोना संक्रमण के चलते इस बार वोटिंग का समय 1 घंटे बढ़ाया जा रहा है। यानी वोटिंग सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगी। बता दें कि आयोग नगरीय निकायों में चुनाव के लिए फाइनल वोटर लिस्ट 3 मार्च को जारी हो चुकी है। अब सिर्फ आचार संहिता लागू होने का इंतजार है।

असम चुनाव: बीजेपी ने 70 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने शुक्रवार को 70 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की दी है। मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनवाल पिछली बार की तरह की माजुली से और हेमंत बिस्वा शर्मा जालुकबरी सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने 11 मौजूदा विधायकों को टिकट नहीं दिया है। बीजेपी की पहली लिस्ट में 11 एसटी और 4 एससी नेताओं को टिकट मिला है। राज्य में बीजेपी असम गण परिषद (एजीपी) और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ रही है। गठबंधन समझौतों के तहत बीजेपी 92, एजीपी 26 और यूपीपीएल आठ सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उम्मीदवारों के नामों पर मंथन के लिए गुरुवार को बीजेपी केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई थी। इसमें पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित पार्टी की केन्द्रीय चुनाव समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

गुणवत्ता संपन्न स्वास्थ्य सेवा प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है: नायडू

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति एम.वैंकेया नायडू ने स्वास्थ्य अवसंरचना में शहरी-ग्रामीण खाई पर चिंता व्यक्त करते हुए निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे किफायती मूल्य पर ग्रामीण क्षेत्रों में नवीनतम स्वास्थ्य सेवा सुविधाएं लाने में सरकार के साथ सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस खाई को पाटना आवश्यक है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग भी अपने गांवों में आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकें। प्रत्येक व्यक्ति को गुणवत्ता संपन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के महत्व पर बल देते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में किसी को पीड़ा नहीं झेलनी चाहिए। उप राष्ट्रपति ने सभी पात्र नागरिकों से कोविड टीका लगवाने और कोविड-19 के विरुद्ध लड़ाई में शामिल होने की अपील की। हाल के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को 2,23,846 करोड़ रुपए आबंटित करने के लिए सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस कदम से देश में स्वास्थ्य सेवा संरचना बनाने के काम को काफी प्रोत्साहन मिलेगा और स्वास्थ्य पर जेब से खर्च करने में कमी आएगी।

नए कोरोना मामलों में 17वें से 5वें नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में तेज बढ़ोतरी ने चिंता बढ़ा दी है। करीब दो महीने के अंदर प्रतिदिन मिलने वाले नए मरीजों की संख्या इस कदर बढ़ी कि भारत 17वें स्थान से उछलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गया। रोजाना सर्वाधिक मरीज दर्ज करने के लिहाज से केवल चार देश-अमेरिका, ब्राजील, इटली और फ्रांस ही भारत से आगे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक गुरुवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटों में कुल 17,407 नए मामले मिले जो पिछले करीब एक महीने में सर्वाधिक संख्या है। इससे पहले 29 जनवरी को 24 घंटे में वायरस के 18,855 नए मामले सामने आए थे।

इस अवधि में देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,11,56,923 हो गई, जबकि 89 और कोरोना मरीजों की मौत से महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 1,57,435 हो गई। खास बात यह कि दो-तीन दिन से ब्राजील में नए मरीजों के मामले अमेरिका से भी अधिक आ रहे हैं। वर्ल्डोमीटर के मुताबि बुधवार को ब्राजील में दुनियाभर में सर्वाधिक 74,376 नए मरीज मिले, जबकि अमेरिका में यह संख्या 66,879 रही। महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। संक्रमण के नए मामलों में इन राज्यों के 85.51 प्रतिशत मामले हैं। पंजाब और मध्य प्रदेश में उपचाराधीन मामले बढ़ रहे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में उपचाराधीन मामले बढ़े हैं। मरीजों का बढ़ना संक्रमण में तेजी को दर्शाता है। हालांकि 24 घंटों में केरल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम में उपचाराधीन मामलों की संख्या में गिरावट आई है। महाराष्ट्र और केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या सर्वाधिक रही। महाराष्ट्र पहले और केरल दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे के दौरान 6559 लोगों के स्वस्थ होने से अभी तक कुल 20.43 लाख से अधिक लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। केरल में अब तक 10.16 लाख से अधिक लोग कोरोना से ठीक हुए हैं।

कांग्रेस की स्टार प्रचारक की भूमिका में आईं प्रियंका

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बदले हुए अंदाज में हैं। अमूमन खुद को उत्तर प्रदेश या चुनिंदा जगहों पर प्रचार तक सीमित रखने वाली प्रियंका अब पार्टी की स्टार प्रचारक की भूमिका में आ गई हैं। उन्होंने असम से पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है। दूसरे राज्यों में उनके कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रियंका ने ऐसे वक्त में स्टार प्रचारक की भूमिका संभाली है, जब पार्टी बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है। कांग्रेस को लगातार शिकस्त के साथ भाजपा के आक्रामक प्रचार और पार्टी के अंदर असंतुष्ट नेताओं की नाराजगी से जूझना पड़ रहा है। मुश्किल घड़ी में पार्टी के लिए ढाल बनकर उभरने वाली प्रियंका की शख्सियत में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का प्रभाव झलकता है। असम चुनाव प्रचार के दौरान वह जिस अंदाज के साथ लोगों से घुल-मिल गईं, उसने लोगों को इंदिरा गांधी की याद दिला दी।

पीएम मोदी 20 रैली कर ले, यहां फिर 120 रैली कर लें, जीत हमारी होगी: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। मुख्यमंत्री ममता खुद इस बार नंदीग्राम से

चुनावी मैदान में है। टीएमसी ने शुक्रवार को कुल 291 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है, जबकि तीन सीटों को साथियों के लिए छोड़ा गया है। इसके बाद प्रेसवार्ता में ममता ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती भी दी। प्रेसवार्ता में ममता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बंगाल में होने वाली 20 रैलियों पर सवाल हुआ,तब ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी चाहें 120 रैली कर लें, हम चुनावी जंग के आखिर तक लड़ाई लड़ने वाले है। गौरतलब है कि बीते दिनों ही ये जानकारी आई थी कि पीएम मोदी इस बार बंगाल में कुल 20 चुनावी रैली करने वाले हैं, जबकि अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, योगी जैसे बीजेपी के बड़े चेहरे भी प्रचार की कमान संभालने वाले है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया

रिपोर्टर संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

गोरम मध्य प्रदेश के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिन पर भारतीय जनता पार्टी मंडल गोरमी द्वारा नगर के कटारे फार्म हाउस पर वृक्षारोपण किया गया एवं मुख्यमंत्री के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गरीब असहाय मजदूर युवा सभी वर्ग के लिए जिस प्रकार विकास कार्य किए हैं इसलिए हम सब लोग उनके लंबी उम्र की दुआएं करते हैं जिससे वह प्रदेश की और अधिक ऊर्जा से सेवा कर सके हमारे लिए गौरव की बात है कि हमें हमारे प्रदेश में ऐसा जनसेवक मिला है जो रात दिन प्रदेश के विकास एवं गरीब के कल्याण के लिए कार्य कर रहा है वृक्षारोपण से अच्छा कोई पुनीत कार्य नहीं है एक वृक्ष सौ पुत्र के समान होता है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की लंबी उम्र के लिए हम लोगों ने आज वृक्ष लगाए हैं इन पौधो को हम लोग रोजाना देखभाल करेंगे इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता श्री कृष्ण कटारे ,दलवीर सिंह तोमर ,गोकुल सिंह परमार ,अरविंद वर्मा मंडल महामंत्री निर्मल आर्य, मंडल मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया ,सुरेश सोनी डॉ वेद प्रकाश शर्मा राय सिंह जाटव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे द्य

भूतपूर्व सैनिक हुये सम्मानित

रिपोर्टर संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

भिंड गोरमीआज दिनांक भूत पूर्व सैनिक संग ठन की मीटिंग उपाध्यक्ष अतर सिंह गूर्जरके निजी निवास स्थान पर सम्पन हुई जिसमे मुख्य अतिथी के रूप मे गोरमी स्ड्ढ बैंक के मैनेजर मनोज कुमार चौधरी उपस्थित रहे मैनेजर ने सभी भूतपूर्व सैनिको के लिए महत्वपूर्ण पेंसन योजना, होम लोन , सेविंग प्लान एवं हर समय पर बैंक से संबन्धित सभी समशयाओ के समाधान हेतु निराकरण करने को कहा साथ ही जो भी शासन द्वारा बैंक में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया बैंक की योजना स्ड्ढ 4श्ठ्ठश के बारे में जानकारी दी और संमस्या भी सुनी । साथ ही सभी सैनिकों का संम्मान किया मीटिंग के दौरान उपस्थित रहें मेहगांव तहशील के भूतपूर्व सैनिक संगठन अध्यक्ष पुत्तूसिंह यादव ,उपाध्यक्ष श्री अतरसिंह गुर्जर व सचिव कैदारसिंह नरवरिया व सभी भूतपूर्व सैनिक

रेत व्यापारी की हत्या

भिण्ड। भिंड रेत उत्खनन कंपनी पावरमेक के करिनदो ने उसके भाड़े के गुंडों ने की रेत व्यापारी की हत्या बंदूक से गोली मारकर की हत्या मेहगांव निवासी रॉकी गुर्जर सीने में गोली लगने से घटनास्थल पर हुई मौत उसके साथ में ही जो दूसरा साथी था उसका नाम समरथ तोमर जिसके पैरों में गोली लगने से जख्मी जिसे जिसे जिला हॉस्पिटल भिंड मैं किया है भर्ती पुलिस हुक्का कह रहा है बनाने पुलिस ने तीन भाड़े के गुंडों व एक कंपनी कर्मचारी सहित 6/7 अज्ञात पर किया हत्या का मामला दर्ज विनोद मद्रासी पावर मेक, बलदेव राजपूत मेहरा प्रदीप गुर्जर डांग छेकुरी शैलेंद्र राजपूत अमायन और गहेली के बीच दोनों को घेर कर की ताबड़तोड़ फायरिंग मैं एक की हत्या दूसरा जख्मी का मामला भिंड एसपी मनोज कुमार सिंह ने किया दर्ज सभी आरोपी गिरफ्तार करने के लिए शक्ति से प्रयास किया जा रहा है और मेहगांव में कोई जाम या कोई अभद्र उपद्रव की आशंका से हर जगह काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर मुक्तिधाम में लगाए पौधे

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद भारतीय जनता पार्टी गोहद द्वारा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जन्मदिवस पर मुक्तिधाम में किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जिलामंत्री अर्चना शर्मा, मण्डल अध्यक्ष विवेक जैन व महेश श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शित कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की दीर्घायू की कामना की इस अवसर पर भीकम कौशल, दशरथ घुरैया, आशीष शर्मा, विधाराम शेजवार, प्रदीप भारद्वाज, ललित अग्रयाल, सौरभ पांडेय, विनोद माहोर, राजेश नागर, पिंकी सगर, विक्रम यादव, राम भटेले, सतीश स्वामी, दिनेश श्रीवास, उमा राठौर, मीना जाटव, प्रतीक शर्मा, लला विजयवंशी मुख्यरूप से थे।

कलेक्टर ने कोरोना वैक्सीन के वर्तमान में चल रहे द्वितीय चरण की कार्ययोजना के संवंध में बैठक ली

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड नवागत कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने आज कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में द्वितीय चरण में लगाई जा रही कोरोना वैक्सीन की तैयारियों संबंधी विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर प्रवीण फुलपगारे, सीईओ जिला पंचायत आईएस ठाकुर, एसडीएम भिण्ड-अटेर उदयसिंह सिकरवार, मेहगांव श्री एम के बरौले, गोहद शुभम शर्मा, लहार आरए प्रजापति, सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा के अलावा शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास, जनपद, नगरीय निकाय के सीएमओ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नवागत कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने कहा कि 6, 8 एवं 10 मार्च को जिला अस्पताल भिण्ड, सिविल अस्पताल लहार, सीएचसी गोहद, सीएचसी मौ, सीएचसी मेहगांव, सीएचसी अमायन, सीएचसी अटेर, सीएचसी फूफ, सीएचसी रौन में 60 वर्ष से अधिक की आयु के व्यक्तियों एवं 45 वर्ष से 59 वर्ष तक के गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को वैक्सीन टीका लगाया जाएगा। पात्र व्यक्ति दिए गए स्थानों में उनके निकटस्त स्थान पर जाकर वैक्सीन लगवा सकता है। वैक्सीन का टीका लगवाने जो व्यक्ति जाएगा, उसे अपना एक फोटो आईडी प्रूफ साथ में ले जाना होगा जैसे आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पेन कार्ड आदि। उन्होंने एसडीएमगणों से कहा कि आप अपने-अपने अनुभाग अन्तर्गत केन्द्रों पर जहां वैक्सीनेशन का टीका लगाया जाएगा वहां पर अधिकारी/कर्मचारियों की तैनाती संबंधी आदेश जारी करें। इसके साथ ही आप अपने स्तर पर नोडल अधिकारी की भी ड्यूटी लगाऐं। नगरीय क्षेत्रों में सीएमओ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सीईओ जनपद जिम्मेदारी निभाएंगे। कर्मचारी/अधिकारियों की जहां आवश्यकता हो वहां ड्यूटी लगाऐं। कलेक्टर ने कहा कि 60 वर्ष से अधिक के वयोवृद्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनको वैक्सिनेशन केन्द्र जहां पर टीका लगाया जा रहा है, वहां आने-जाने की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। वैक्सीनेशन के कार्य में जो एनजीओ रूचि रखते हैं उनको शामिल किया जा सकता है। इसीप्रकार सीएमओ वरिष्ठ पूर्व पार्षदों को वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए प्रेरित करें। नगरीय निकाय के सीएमओ एवं जनपदों के सीईओ आमजन को वैक्सीन का टीका लगवाने के लिए उन्हें जागरूक करने हेतु अनाउसमेंट भी कराऐं। द्वितीय चरण में पात्र सभी व्यक्तियों को टीका लगना सुनिश्चित किया जाए। एसडीएमगण अपने-अपने अनुभाग स्तर पर कन्ट्रोल रूम भी स्थापित करें वेक्सीनेशन टीका लगाने के कार्य में शिक्षा विभाग, निर्वाचन के बीएलओ, सुपरवाईजर, महिला एवं बाल विकास, नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सचिव, रोजगार सहायकों का सहयोग लिया जाए।

नप दबोह ने चलाया सफाई अभियान

दबोह को स्वच्छता के पायदान पर पहुंचना है तो स्वच्छता को अपनाना है-सीएमओ

दबोह अर्पित गुप्ता पुष्पांजली टुडे

मप्र शासन की मंशानुसार प्रदेश में अपने नगर व शहर को स्व्छ व साफ रख स्व्छता सर्वेक्षण 2021 में अब्बल लाने के लिए नप दबोह बेहतर से बेहतर प्रयास करने में जुटी है।इस दौरान सीएमओ बाबूलाल कुशवाह के निर्देशन में एन आर खेंगर की देखरेख में दबोह नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया।जिसके चलते नगर में स्थापित सुलभ कॉम्प्लेक्स व अन्य स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया।सफाई अभियान के दौरान सीएमओ श्री कुशवाह ने नगर को साफ व स्वच्छ रख स्व्छता सर्वेक्षण 2021 में अब्बल लाने की अपील की।उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि नगर के सभी लोग स्वच्छता अभियान में सहयोग करें और नगर को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता की प्रथम श्रेणी में लाकर खड़ा करें उन्होंने नगर दबोह के सभी निवासियों से कहा कि दबोह नगर का नाम प्रदेश की स्वच्छता की सूची में अग्रणी हो जिस से दबोह नगर का नाम प्रदेश में भी रोशन हो सके जिसके लिए हमे थोड़ा से प्रयास करना होगा इसलिए सभी लोग अपना कचरा कूड़ेदान में ही डाले साथ ही नगरपालिका की कचरा गाड़ी में बने सूखे व गीले खचड़े बने बॉक्स में ही डालें और नगर को साफ एवं स्वच्छ बनाने में नगर परिषद का सहयोग करें जिससे हमारा नगर स्व्च्छता सर्वेक्षण लीग 2021 में प्रदेश में अव्वल आ सके।

सीएमओ ने की नगर को साफ व स्व्छ रखने की अपील

पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के पालन में पुलिस विभाग में वर्षो से रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया शुरू की गई।

दतिया। जिला दतिया में पदोन्नति प्रक्रिया के अंतर्गत आरक्षक से प्रधान आरक्षक के पद पर 142 कर्मचारियों को एवं 67 कर्मचारियों को प्रधान आरक्षक से सउनि के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। पदोन्नति प्राप्त हुए सउनि एवं प्रधान आरक्षकों को आज दिनांक 05.03.21 को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा फीती एवं स्टार लगाकर, मेहनत व लगन से अपने दायित्वों को निर्वहन करने हेतु शुभकामनाएं दी गयी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य, एसडीओपी बड़ोनी श्री उपेंद्र दीक्षित, एसडीओपी दतिया श्री सुमित अग्रवाल, रक्षित निरीक्षक श्री रविकांत शुक्ल सहित अन्य कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

सीएमओ मौ को कारण बताओ नोटिस

उमाकान्त शर्मा (भिण्ड)

भिण्ड आयुक्त चंबल संभाग मुरैना ने कलेक्टर भिण्ड के प्रतिवेदन पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मौ को रामेश्वर दयाल यादव को बगैर पूर्व सूचना के टीएल बैठक में अनुपस्थित रहने, सीएम हैल्पलाईन की अनअटेंड षिकायतो तथा उनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण नहीं करने, लंबित शिकायतों की प्रगति अत्यन्त न्यूनतम रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस का जवाब सात दिवस के अन्दर कारण स्पष्ट सहित चाहा है। उत्तर समयावधि में प्रस्तुत न करने की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी।

पदोन्नत पुलिस कर्मियों को थाना प्रभारी उपेंद्र छारी ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

अशोक शर्मा,रामबिलास सिंह,रामप्रकाश बने सहायक उपनिरीक्षक एवम रामकुमार गौतम बने प्रधानआरक्षक

लहार(अर्पित गुप्ता) पुष्पांजली टुडे

भिंड जिले के लहार थाने में पदोन्नत हुए पुलिस कर्मियों को आज थाना प्रभारी लहार उपेंद्र छारी ने सहायकउपनिरीक्षक बने अशोक शर्मा, रामबिलास सिंह,रामप्रकाश बघेल को स्टार लगाकर एवम प्रधान आरक्षक बने रामकुमार गौतम को फिति लगाकर एवम मिठाई खिलाकर बधाई दी इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईश्वर से कामना है कि आप ऐसे ही तरक्की करते रहे और आगे बढ़े इस मौके पर थाना उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह, मलखान सिंह परिहार,सहायक उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह सेंगर,सन्तोष तिवारी,तासीर खान,आरक्षक पंकज शर्मा,उदयभान तोमर,अजय गुर्जर,शैलेन्द्र प्रजापति अनिल मिश्रा एवम समस्त थाना स्टाफ मौजूद रहा ।

नाजायज धन्धै किसी भी सूरत में फलने फूलने नही दिये जाबेगैः योगेन्द्र सिह जादौन

रिपोर्टर राधा तोमर अम्बाह पुष्पांजली टुडे

अम्बाह अभी तक थाना इलाके में जुआ शराब अवैध शस्त्रो के क्रय विक्रय सरीके नाजायज धंधे किसी भी सूरत में अम्बाह पुलिस फलने फूलने नहीं देगी ऐसे अवैध कृत्यो को अंजाम देने वाले मुजरिमो के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी यह बात अम्बाह थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह जादौन ने कहीं उन्होंने बताया कि मैंने अम्बाह में मुखबिर तंत्र को मजबूत करने का काम प्रारंभ कर दिया है ताकि अपराधों और अपराधियों के बारे में सटीक सूचनाएं पुलिस को मिलती रहै अंबाह थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह जादौन ने माना कि गोपनीयता भंग होने की डर से लोग पुलिस को अपराधों और अपराधियों के बारे में सूचना देने से कतराते हैं उन्होंने कहा कि एक बार पुलिस जनता को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाए तो उसे मुखबिरो से कारगर आम सूचनाएं मिलना प्रारंभ हो सकती है उन्होंने बताया कि हाल में ही कुछ दिनों में पुलिस को मुखबिरों से प्राप्त जानकारी मिलने से कामयाबी मिली है अभी हाल ही में आज पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाण्डे के निर्देशन में व अम्बाह एसडीओपी अशोक सिह जादौन के मार्ग दर्शन मे जुआरियो की धरपकड़ व रोकथाम चलाये जारहै अभियान के तहत आज अम्बाह पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम तोर के बीजासैन मन्दिर के पास गौडा से 22 जुआरियो को जुआ खेलते हुऐ पकडा जिनसे कुल दो लाख नबासी हजार तीस रू बरामद कर जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है अंबाह थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन ने दावा किया है कि हमें और कामयाबी मिलने की उम्मीद है यह सफलता अवैध शस्त्र की बरामदगी व अवैध शराब अथवा सट्टा व जुआरियो में किसी भी हो सकती है थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह जादौन ने उपचुनाव में ही कमान संभाली है जिसमें 4 माह मे चार साल का रिकॉर्ड तोडकर अपराधो का निकाल किया है तथा अम्बाह शहर में स्वच्छता को लेकर उनका बिशेष फोकस है आमजन अपने आपको सुर्क्षित महसूस कर रहा है यह उनकी सराहनीय पहल है उन्होंने बताया मेरा मुखबिर तंत्र मजबूत रहता है इलाके के प्रत्येक गांव के प्रमुख गांव में कौन-कौन व्यक्ति अपराध में लिप्त है इसकी पूरी जानकारी के लिए प्रयास जारी कर दिए गये हैं थाना प्रभारी ने कहा कि यदि लोगों के राजस्व विभाग के मामले को राजस्व विभाग निवटारे की कोशिश जारी रखे तो अपराधों में गिरावट देखने को जरूर मिलेगी उन्होंने बताया कि शुरू से उनको वर्दी वाली नौकरी बहुत पंसन्द थी शिक्षा में कैमिस्ट्री से एमएससी है।

मुखबिरों की सूचनाओ से पुलिस को मिल रही सफलताये

दतिया कोतवाली पुलिस ने पकड़े शातिर मोटरसाइकिल दो चोर

पुष्पांजली टुडे

पुलिस अधीक्षक दतिया श्री अमन सिंह राठौर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दतिया एवं श्रीमान एसडीओपी श्री सुमित अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली क्षेत्र में हुई चोरियों कि पता रसी हेतु थाना प्रभारी कोतवाली रविंद्र गुर्जर मैं उनकी टीम को लगाया गया जो उनकी टीम की सतत प्रयास से आरोपी जितेंद्र पुत्र घना राम लोहार उम्र 28 साल निवासी कामत थाना उन्नाव जिला दतिया के कब्जे से एक अपाचे मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 32 एमडी 26 65 कीमती ?60,000 ग्राम कामद से बरामद की गई है आरोपी अरविंद पुत्र राजू खटीक उम्र 22 साल निवासी चिरली थाना करेरा जिला शिवपुरी के कब्जे से एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 32 एम जी 4248 किमती ?30000 को बरामद की गई है चोरी गई मोटरसाइकिल की संक्षिप्त जानकारी 1 दिनांक 21.2. 21 बस स्टैंड पर चल रहे मेला से सत्येंद्र गुर्जर की गुर्जर की अपाचे मोटरसाइकिल चोरी गई थी 2. दिनांक 25.2. 21 को लाला का ताल गेट के पास से फरियादी रामस्वरूप कुशवाहा निवासी मातन का पूरा इंदरगढ़ की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी गई थी चोरी गई मोटरसाइकिल की बरामदगी में सराहनीय भूमिका निम्न अधिकारी कर्मचारी की रहिए 1. निरीक्षक रविंद्र सिंह गुर्जर थाना प्रभारी कोतवाली 2.प्रधान आरक्षक 507 शिव कुमार 3.प्रधानआरक्षक 344 अनुरोध पावन 4.आरक्षक रविंद्र 5. आरक्षक राघवेंद्र गुर्जर 6.आरक्षक राघवेंद्र साहू

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, सकारात्मक रूप से चलाएं कलमः अरुण कुमार जोशी

पुष्पांजली टुडे

नेनाराम सिरवी राजस्थान पाली जिले के रानी उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत एक दिवसीय आईएफडब्ल्यू जे पत्रकार संघ कि उपखंड शाखा पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान आईएफडब्ल्यू जे पाली जिला अध्यक्ष अरुण कुमार जोशी द्वारा संपूर्ण पत्रकारों को अपने संबोधन में बताया गया कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ। सकारात्मक रूप से चलाएं कलाम। एवं समाज में पत्रकारों की अलग भूमिका होती । एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान रानी उपखंड अध्यक्ष बशीरुद्दीन चडवा ने सभी अतिथियों एवं पत्रकार सदस्यों का स्वागत करते हुए उद्बोधन दिया। मुख्य अतिथि पाली जिला अध्यक्ष अरुण जोशी वरिष्ठ अतिथि रानी नगर पालिका अधिशासी अधिकारी दीन मोहम्मदचडवा। संरक्षण हिम्मत मालवीय राजकमल पारीक एवं प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रानी की प्रभारी बीके सोनू दीदी। एवं बीके इंजीनियर अस्मिता दीदी। सहित अन्य आए हुए अतिथियों का राजस्थानी रीति रिवाज एवं परंपरा के अनुसार माला एवं साफा के माध्यम से स्वागत किया गया। बीके सोनू दीदी ने स्थानीय प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में प्रथम बार पत्रकारों की कार्यशाला आयोजित करने के लिए पत्रकार संगठन के प्रति आभार प्रकट किया गया। बीके अस्मिता दीदी लोकतंत्र के चौथा स्तंभ समाचार पत्र के परिवार समूह को निपश पत्रकारिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में प्रथम बार आयोजन करने पर बीके अस्मिता दीदी। एवं बीके सोनू दीदी द्वारा संपूर्ण अतिथियों के साथ पत्रकारों का आभार जताते हुए बताया गया कि पत्रकार संगठन के लिए आयोजन करने को लेकर प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के और हमेशा गेट खुले रहेंगे। इस दौरान एक दिवसीय आयोजन कार्यशाला के दौरान मुख्य उत्तरदायित्व रानी पाली ऑनलाइन मुख्य संपादक बीएल भाटी एवं महिपाल रावल द्वारा अथक प्रयास के माध्यम से यह दिवसीय कार्यशाला को सफल बनाया गया। कार्यशाला के दौरान आए हुए अतिथियों द्वारा अपने-अपने उद्बोधन के दौरान पत्रकार परिवार के प्रति पत्रकारिता को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।इस दौरान प्रजापति ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रानी की ओर से पत्रकारों के सम्मान में प्रीतिभोज की व्यवस्था की गई। जिसमें बीके नाथू सिंह राठौड़ की सेवाएं सराहनीय रही। एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान आए हुए अतिथियों का डोर टू डोर पत्रकार संघ के परिवार द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान रानी उपखंड क्षेत्र के पत्रकार संघ अध्यक्ष बशीरुद्दीनचडवा। ऑनलाइन रानी पाली मुख्य संपादक बीएल भाटी। गोडवाड टाइम्स मुख्य संपादक हिम्मत मालवीय। हिमाशु प्लोड. प्रेम बुनकर भैराराम बंजारा नरेंद्र बुनकर। उगम सिंह राजपुरोहित दिनेश सिंह राजपुरोहित गुमान सिंह भीमराज पारंगी अरविंद गोयल.ओपाराम मगराज चौहान चौथा राम मीणा मांगीलाल । विकास शर्मा शिवराम वागोणा. आदि उपस्थित रहे। आईएफडब्ल्यू जेएक दिवसीय कार्यशाला के दौरान पाली जिला अध्यक्ष एवं रानी उपखंड अध्यक्ष द्वारा संपूर्ण पत्रकारों का आभार जताया गया

पुलिस कर्मियो में खुशी की लहर किसी को फूल किसी को फीती लगाकर बाजू कन्धे हुऐ मजबूत

केशब पडित अम्बाह पुष्पांजली टुडे

एसडीओपी अशोक सिंह जादौन व थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

मुरैना जिले के अम्बाह थाने में पदोन्नत हुए पुलिस कर्मियों ने जिले में रिकार्ड तोडा 18 हैडकॉस्टेल व 7 एएसआई पदौन्नति हुऐ आज अम्बाह एसडीओपी अशोक सिह जादौन व थाना प्रभारी योगेन्द्र सिह जादौन ने सहायकउपनिरीक्षक बने अमोलसिह,बीरेन्द्र सिह ,रघुराज सिह महेश सिह को स्टार लगाकर एवम प्रधान आरक्षक बने महेश शर्मा राजबहादुर यादव, भारत गुर्जर रामबीर गुर्जर हबलदार सिह माधौसिह शिबकुमार भदौरिया भूपैन्द्रसिह रामनरेश पहल बान बंसन्तसाहू भण्डारी को फीती लगाकर एवम मिठाई खिलाकर बधाई दी इस मौके पर उन्होंने कहा कि ईश्वर से कामना है कि आप ऐसे ही तरक्की करते रहे और आगे बढ़े इस मौके पर थाना उपनिरीक्षक मोनिका मिश्रा रिषीकेश शर्मा नीलम यादव बिबेक तोमर पुनीत दीक्षित ,एचसीएम रामप्रकाश मुदगल दिनेश सिह कुशबाह कुलदीप दौहरे प्रसांत दण्डोतिया प्रमोद सिह सतेन्द्र गुर्जर जौगैन्द्र भदौरिया दीपक पचौरी नरेन्द्र मोर्य महाराज सिह एनआरएस बिजेन्द्र तोमर राकेश शर्मा डा हरिप्रसाद एवम समस्त थाना स्टाफ मौजूद रहा ।

स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता,, डॉ.देशलहरा

मोहन मांझी पुष्पांजली टुडे

गोहद ,जनता की शिकायत पर गोहद अस्पताल का निरीक्षण करने पहुचे रोगी कल्याण समिति सदस्य (विधायक प्रतिनिधि) डॉ.राजकुमार देशलहरा को गोहद अस्पताल में अनियमितताओं का सामना करना पड़ा उन्होंने गोहद अस्पताल में जनरल वार्ड ,ओपीडी ,प्रसूतिगृह एव पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया यहाँ वार्डो में बिछे पलँगो पर गन्दे चादर विछे हुए थे चादर बहुत ही गंदी थी और कुछ चादरों में खून के धब्बे तक लगे हुए थे वार्डो में मरीजो की सुनने वाला कोई भी नर्स या वर्डवाय नही थे प्रसूतिगृह मे महिलाओ की संख्या अधिक थी अस्पताल में कोबिड़ 19 के नियमो का पालन नही हो रहा था रोगी कल्याण समिति के सदस्य डॉक्टर देशलहरा ने मरीजों से उनका हालचाल पूछा तो वहां पर उपस्थित मरीजों ने बताया कि ओपीडी में चिकित्सक बाहर की जांच एवं दवाइयां लिख रहे थे जबकि अस्पताल में 28 प्रकार की जांचे उपलब्ध है वार्डो में लगे पंखे दुरस्त नही थे रोगी कल्याण समिति सदस्य डॉ.राजकुमार देशलहरा ने ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ.आलोक शर्मा से व्याप्त अनियमितता में सुधार हेतु कदम उठाने को कहा उन्होंने कहा कि गोहद विधानसभा की जनता को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करने वाला एकमात्र स्थान समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद है और यहाँ व्यक्ति बेहतर स्वास्थ्य सेवा की उम्मीद के साथ आता है यहाँ पदस्थ अधिकारियों को अपना रवैये बदलना होगा जिससे जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके डॉ. देशलहरा ने 100 बेड के अस्पताल के बारे में पूछा कि उसका क्या हुआ तुम तो ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. शर्मा ने बताया कि भोपाल से आई टीम द्वारा सर्वे कर लिया गया है लेकिन स्थान का चयन नहीं हो पा रहा है ना ही इस संबंध में कोई कार्यवाही के लिए कोई सूचना मिली है मेडिकल ऑफिसर द्वारा अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी बताई गई 5 पद हैं जिसमें से 4 अभी खाली है इस बात को लेकर रोगी कल्याण समिति के सदस्य (विधायक प्रतिनिधि) डॉ. राजकुमार देशलहरा ने गोहद विधायक मेवाराम जाटव से फोन पर चर्चा करते हुए व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया इस मौके पर नगर अध्यक्ष कांग्रेस टोनी मुद्गल,बंटी सरपंच, प्रमोद शुक्ला, मुनेश शर्मा ,अवधेश शुक्ला, नवल किशोर बरैया,रागिनी चौहान, अवध किशोर बंटी गुर्जर ,गौतम अजय मिश्रा,राहुल उपाध्याय,शेखू खान,गौरव कोहली, जावेद पठान, पिंकी जाटव,तहसील शाह, आदि लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आरओ एवं ए.आर.ओ. का प्रशिक्षण 8 मार्च को

मुरैना। नगरीय निकायों के आम निर्वाचन 2020-21 के लिये नियुक्त रिटर्निंग ऑफीसर और सहायक रिटर्निंग ऑफीसरों को चुनावी कार्य संपन्न कराने के लिये प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण 8 मार्च 2021 को दोपहर 3 बजे से नवीन कलेक्ट्रेट सभागार मुरैना में आयोजित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि नगरीय निकायों के आम निर्वाचन 2020-21 की घोषणा आयोग द्वारा निकट भविष्य में की जाना संभव है।

फिट इंडिया केम्पेन के तहत मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन 8 मार्च को

मुरैना। खेल और युवा कल्याण विभाग, नगर पालिक निगम एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से ''अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'' 8 मार्च पर फिट इंडिया कैम्पेन के तहत मिनी मैराथन (5 कि.मी.) का आयोजन किया जायेगा। मिनी मैराथन दौड़ प्रातः 7.30 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम मुरैना से प्रारंभ होकर एमएस रोड़, पुरानी कलेक्ट्रेट चौराह से टर्न होते हुये वापस स्टेडियम पर समाप्त होगी। जिले की इच्छुक बालिका एवं महिलायें मिनी मैराथन दौड़ में शामिल होने के लिये 8 मार्च 2021 को प्रातः 7 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में अनिवार्यतः उपस्थित होकर मैराथन में शामिल हो सकती है।

मुख्यमंत्री की वीसी 10 मार्च को

मुरैना। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में उनके प्रतिकक्ष भोपाल से आगामी 10 मार्च बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे प्रदेश के समस्त संभागायुक्त, कलेक्टर्स, आईजी और पुलिस अधीक्षक की वीडियो कॉन्फ्रेन्स आयोजित की जाएगी। यह जानकारी मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव श्री सुनील मड़ावी द्वारा दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला चिकित्सालय में

मुरैना। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर दोपहर 12 बजे से सायं 5 बजे तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरसी बांदिल ने बताया कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस है। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय मुरैना में एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा।

चिटफंड कंपनियों की संपत्ति को कुर्क करके हितग्राहियों को पैसा वापस दिलाया जायेगा

मुरैना। चिटफंड कंपनियों पर एफआई.आर. दर्ज कर कार्रवाही किये जाने के निर्देश सभी थाना प्रभारियों को कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने दिये है। निर्देशों में थाना प्रभारियों से कहा गया है कि उनकी संपत्तियों को कुर्क करके हितर्ग्राहियों को पैसा वापस दिलाया जाये। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरैना जिले में 1 जनवरी 2020 से 31 दिसम्बर 2020 तक 12 प्रकरणों में 76 आरोपी बनाये गये है। इनमें से 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। 63 आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है। चिटफंड कंपनियों द्वारा 28 करोड़ 5 लाख 17 हजार 975 रूपये की राशि हितग्राहियों से निवेषित कराई, इसमें से 1 करोड़ 84 लाख 71 हजार 116 रूपये की राशि हितग्राहियों को वापस कराई गई है। सहारा कंपनी के विरूद्ध कुल पंजीबद्ध 6 प्रकरणों में 25 करोड़ 16 लाख 28 हजार 470 रूपये निवेश कराये गये, जिसमें से पुलिस द्वारा 209, जिनकी कुल राशि 1 करोड़ 13 लाख 71 हजार 116 रूपये थी, को वापस कराया गया। सिविल लाइन थाने में अपराध क्रमांक 157/20 में पुलिस द्वारा 56 लाख के चैक एवं 15 लाख रूपये की नगद राशि वापस कराई है। यह वापस राशि हेप्पीनेस इंजीनियरिंग लाइफ सर्विस कंपनी से कराई है। कलेक्टर मुरैना ने चिटफंड कंपनी के.एम.जे लेण्ड डवलपमेंट मुरैना, पी.ए.सी.एल (पल्स) इंडिया लिमिटेड मुरैना के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर बैंक खातों पर रोक लगाई जाकर मध्यप्रदेश निवेशकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 के तहत अंतरिम आदेश की पुष्टि हेतु जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुरैना संपर्क कर निराकरण की कार्यवाही की जा रही है।

खेती संबंधी बंटाई अनुबंध की कॉपी तहसीलदार को देना अनिवार्य

मुरैना। सामान्य तौर से कृषकों और भू-स्वामियों द्वारा अपनी भूमि अन्य व्यक्तियों को देकर खेती कराई जाती है। जिसे सामान्य तौर पर बंटाई, सिकमी, अन्य स्थानीय नामों से जाना जाता है। तत्संबंध में मध्यप्रदेश भूमि स्वामी एवं बंटाईदारों के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के अनुरूप भूमि बटाई पर दिए जाने की मान्यता प्रदान की गई है। हित संरक्षण अधिनियम भूमि स्वामी एवं बंटाईदार दोनों के हितों का संरक्षण करता है। अब कोई भी भूमि स्वामी अपनी भूमि बटाई पर देने या किसी व्यक्ति द्वारा बटाई पर लेने की वैधानिकता तभी मानी जाएगी, जब दोनों पक्षों के द्वारा मध्यप्रदेश भूमि स्वामी बंटाईदारों के हित संरक्षण अधिनियम 2016 के नियम चार के तहत अनुबंध निष्पादित किया गया हो और एक प्रति संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को उपलब्ध कराई हो। कोई भी बंटाईदार, भूमि बंटाई पर लेकर यदि वह फसल क्षति की देय राहत राशि, बीमा राशि और कृषि उपज का उपार्जन के लिए दावा करता है, तो शासन द्वारा तभी स्वीकार माना जाएगा जब भूमि स्वामी और बंटाईदार के मध्य उपरोक्त अधिनियम के अंतर्गत अनुबंध निष्पादित हुआ हो अन्यथा विधिवत अनुबंध के अभाव में उपरोक्त हित लाभ दिया जाना संभव नही होगा।

कोरोना वैक्सीनेशन कराने हेतु रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश

मुरैना। 60 वर्ष से उपर आयु वर्ग के लोंगो को कोविड का टीका 1 मार्च से लगना प्रारंभ हो गया है। इसके अलावा विभिनन प्रकार की बीमारियों से ग्रसित लोग 45 से 59 वर्ष तक के व्यक्ति डॉक्टर के प्रमाण के आधार पर यह टीका नजदीकी सेंटर पर जाकर लगवा सकते हैं। इस संबंध में कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि कोविड का टीका अवश्य लगवायें। कोविड-19 हेतु सीनियर सिटीजन या वरिष्ठ नागरिक कैसे रजिस्टर करें यह समझे।

- Co&win app का प्रयोग करें या । 'तवहल' aro-gya Setu app ;k cowin-gov-in पर लॉगिन करें.
- अपना मोबाइल नंबर डालें
- आपको अपना अकाउंट बनाने हेतु एक वजच प्राप्त होगा.
- अपना नाम उम्र लिंग एवं अपने पहचान सम्बंधित दस्तावेज को भरे।
- यदि आप 45 साल से ऊपर के हैं तो आपको अपने बीमारी संबंधित डॉक्टर के सर्टिफिकेट को भी भरना पड़ेगा.
- उपलब्ध सेंट्रो से एवं तारीखों से आप अपना उपयुक्त सेंटर एवं तारीख का चयन करें.
- एक मोबाइल नंबर से चार अपॉइंटमेंट की जा सकते हैं।
- ऐसे वरिष्ठ नागरिक जो अपना पंजीयन खुद नहीं कर सकते हैं वह जन सुविधा केंद्र या कामन सर्विस सेंटर के पास जाकर भी अपना पंजीयन करा सकते हैं ।
- एक कॉल सेंटर नंबर 1075 का भी उपयोग इसके लिए किया जा सकता है।

कृपया अपने संबंधित सभी लोग को यह मैसेज भेजे जिससे वह भी अपने परिचित का टीकाकरण करा सकें
https://selfregistration.cowin.gov.in/

31 मार्च तक आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए आवेदन किये जा सकेगें

मुरैना। जनजातीय कार्य विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश स्पेशल एण्ड रेसीडेंशियल एकेडमिक सोसायटी अन्तर्गत विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में प्रवेश कक्षा 6 वीं आवेदन के लिये प्रारंभ तिथि 08 मार्च 2021 से अंतिम तिथि 31 मार्च 2021 रहेंगी। सीट संख्या में कमी अथवा वृद्धि हो सकती है। उल्लेखनीय है कि विद्यालयों में राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2021-22, अप्रैल 2021 से प्रारंभ, कक्षा 6 वीं एवं 9 वीं में प्रवेश 8 मार्च 2021 से होगा। अंतिम तिथि 31 मार्च 2021, सायं 5 बजे तक आवेदन किए जा सकेगे, 18 अप्रैल (प्रथम पाली) प्रातरू 10.30 से 12:30 बजे, कक्षा -6 वीं, परीक्षा की तिथि एवं समय 18 अप्रैल 2021 (द्वितीय पाली) दोपहर 2:30 बजे से सायं 04:30 बजे कक्षा -9 वीं तक परीक्षा आयोजित होगी। केन्द्र, समस्त जिला, विकास खण्ड मुख्यालय पर स्थित विद्यालय, विशिष्ट संस्थाएं में रहेंगे। आवेदन प्रक्रिया कक्षा 5 वीं एवं 8 वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थी अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर एवं विभागीय वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिये आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों द्वारा किसी भी प्रकार का कोई आवेदन शुल्क अथवा परीक्षा शुल्क देय नहीं होगा।

टीबी रोग से जीवन का अंत नहीं- कलेक्टर

मुरैना। टीबी हारेगा देश जीतेगा के अंतर्गत जन आंदोलन अभियान चल रहा है। टीबी रोग से व्यक्ति के जीवन का अंत नहीं टीबी का इलाज संभव है। यह बात कलेक्टर श्री बी कार्तिकेयन ने गुरूवार को नवीन कलेक्ट्रेट सभकक्ष मुरैना में संबोधित करते हुये कही। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री सुनील कुमार पांडेय, जिलाध्यक्ष श्री योगेशपाल गुप्ता, पूर्व मंत्री श्री गिर्राज डण्डोतिया, पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना, श्री शिवमंगल सिंह तोमर, नगर निगम के सभापति श्री अनिल गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हंसराज सिंह, अपर कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर, सीएमएचओ डॉ आरसी बांदिल, पीएचई, सिविल सर्जन डॉ एके गुप्ता, टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. मौर्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री बी कर्तिकेयन ने कहा कि देश में टीबी कोई भयानक बीमारी नहीं है। टीबी का इलाज संभव है। इसके लिये व्यक्ति को 6 माह डॉट पद्धति का इलाज लेना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि टीबी माइक्रोबेक्टिरियम टयूबरक्लोसिस नामक जीवाणु से होने वाला रोग है। भारत में हर वर्ष लगभग 20 लाख लोग टीबी से पीड़ित होते हैं और प्रत्येक 3 मिनट में दो व्यक्तियों की मृत्यु टीबी के कारण होती है। टीबी का सही इलाज न होने पर फेंफड़ों की टीबी का रोगी 1 वर्ष में 10 से 15 व्यक्तियों में टीबी रोग फैला सकता है। टीबी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है यह आयु, लिंग, गरीब, अमीर जाति धर्म नहीं देखती। उन्होंने कहा कि टीबी की आशंका होने पर बलगम की जांच करायें। इसके लिये जिले में निशुल्क स्वास्थ्य उपचार केन्द्र हैं। जिसमें क्षय उपचार इकाई मुरैना, क्षय उपचार इकाय नूराबाद, क्षय उपचार इकाई जौरा, अंबाह, पहाडगढ, कैलारस और सबलगढ में बने हुये हैं। प्रत्येक क्षय रोगी को प्रत्येक क्षय रोगी को उसके उपचार के दौरान 500 रूपये प्रतिमाह पोषण के रूप में प्रदान किये जाते हैं। व्यक्ति को यह नहीं सोचना चाहिये कि टीबी रोग हो गया अब

संपादकीए

कैंसर का कहर

एक समय था जब कैंसर से पीड़ित मरीजों के मामले कभी-कभार सुनने में आते थे और यह लोगों के चौंकने का मामला होता था। मगर आज अक्सर लोगों को उनके संपर्क के किसी व्यक्ति के कैंसर से पीड़ित होने और कई बार उनकी मौत तक की खबरें सुननी पड़ती हैं। जाहिर है, कैंसर के इस तरह पांव फैलाने के पीछे बड़ी वजह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में खानपान से लेकर समूची जीवनशैली में आए बदलाव हैं। लेकिन समूचे मसले पर सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अब यह जानलेवा रोग बहुत तेजी से बच्चों को भी अपनी चपेट में ले रहा है। एक खबर के मुताबिक दुनिया भर में हर साल लगभग तीन लाख बच्चे इस बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इनमें से 78 हजार यानी करीब एक चौथाई से ज्यादा बच्चों की मौत अकेले भारत में होती है। यह आंकड़ा किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को दहला देने के लिए काफी है, क्योंकि इतनी बड़ी तादाद में बच्चों का कैंसर की चपेट में आना एक बड़ी चेतावनी है कि आने वाली पीढ़ियों पर कैंसर की भयावह मार पड़ सकती है। यह किसी से छिपा नहीं है कि यह रोग खानपान और जीवनशैली की वजह से उभरता है और आमतौर पर रोग-प्रतिरोधक क्षमता के कमजोर होने की वजह से ही किसी व्यक्ति के शरीर में घर बनाता है। तो क्या हमारे समाज में लोग अपने बच्चों के जीवन को इस जोखिम में छो? रहे हैं जिसमें वे इस रोग से बचाव के प्रति लापरवाही बरतें? कैंसर के लिए वंशानुगत या अनुवांशिक कारण भी जिम्मेदार होते हैं, लेकिन इसके अलावा रोजमर्रा की जिंदगी में जिस तरह की खाने-पीने चीजें बच्चों की आदत में शुमार होती गई हैं, वे उनके शरीर के पोषण की स्थिति को कमजोर करती हैं और उनके भीतर रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में बहुत ज्यादा संरक्षण में रहने वाला कोई भी बच्चा आसानी से किसी बीमारी और यहां तक कि कुछ स्थितियों में कैंसर जैसे घातक रोग की चपेट में आ जाता है। अफसोस यह है कि मौजूदा समय तक भी इसका कोई कारगर और सुलभ इलाज नहीं ढूंढ़ा जा सका है। फिर भी, अगर शुरुआती दौर में कैंसर का पता चल जाता है तो ज्यादातर मामलों में उससे निजात पाई जा सकती है। दरअसल, हमारे यहां आज भी स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा इस कदर कमजोर है कि कैंसर के अलावा भी बहुत सारी बीमारियां समय पर पहचान में नहीं आ पातीं और समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से किसी व्यक्ति की नाहक ही जान चली जाती है। अगर कोई व्यक्ति निजी अस्पतालों का रुख करता भी है तो वहां का महंगा इलाज उसे लाचार बना देता है।

खेती-किसानी और किसानों की बेहतरी के पुरोधा शिवराज

किसान पुत्र होने के नाते खेती-किसानी को बेहतर तरीके से जानने वाले मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के किसानों के लिये जो किया है, वह कृषि क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो रहा है। एक लंबे समय से उनके द्वारा खेती-किसानी और किसानों की बेहतरी के लिए किए गए प्रयासों और नवाचारों के परिणाम अब न केवल पूरे देश-दुनिया के सामने है बल्कि उन्हें इसका पुरोधा भी माना गया है। प्रदेश के किसानों के हित में खेती को लाभप्रद बनाने और किसानों की आय दोगुनी करने के लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अनेक नवाचार भी किये हैं। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में कृषि क्षेत्र की महत्वपूर्ण भागीदारी है। कृषि उत्पादन को बढ़ाना, उत्पादन की लागत को कम करना, कृषि उपज के उचित दाम दिलाना और प्राकृतिक आपदा या अन्य स्थिति में उपज को हुए नुकसान में किसान को पर्याप्त क्षतिपूर्ति देना, मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रयासों में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के किसानों को जो संबल दिया, उससे किसानों ने प्रमुख रूप से गेहूँ उत्पादन में रिकार्ड कायम किया। मध्यप्रदेश गेहूँ उपार्जन में पूरे देश में अव्वल रहा। किसानों के हित में कृषि उपज मंडी अधिनियम में संशोधन करते हुए ई-ट्रेडिंग का प्रावधान किया गया और किसानों को उपार्जन केन्द्र के साथ ही मंडी के अधिकृत निजी खरीदी केन्द्र और सौदा-पत्रक व्यवस्था के माध्यम से भी फसल बेचने की सुविधा प्रदान की गई। गेहूँ, धान एवं अन्य फसलों के उपार्जन की 33 हजार करोड़ रूपये से अधिक की राशि किसानों के खातों में अंतरित की गई। प्रदेश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में प्रतिवर्ष 6-6 हजार रूपये तो मिल ही रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के किसानों के लिये मुख्यमंत्री किसान-कल्याण सम्मान निधि योजना की शुरूआत कर किसानों को मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्रतिवर्ष 4 हजार रूपये दो बराबर

किश्तों में दिये जाना शुरू किया गया। इस प्रकार किसानों को अब कुल 10 हजार रूपये प्रतिवर्ष किसान सम्मान निधि मिल रही है। किसानों की परेशानियों को भी मुख्यमंत्री श्री चौहान भलीभांति समझते हैं। उन्होंने प्राकृतिक आपदा या किसी अन्य परिस्थिति में किसान की उपज को हुए नुकसान में राहत पहुँचाने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लंबित प्रीमियम जमा कर किसानों को राहत पहुँचाई। लॉकडाउन की विकट स्थिति में एक करोड़ 29 लाख टन गेहूँ 16 लाख किसानों से खरीद कर उनके खातों में 27 हजार करोड़ से अधिक की राशि अंतरित किया जाना किसानों के लिये बड़ी राहत थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण योजना को पुनरू चालू करते हुए किसानों को राहत पहुँचाई। इसके लिये सहकारी बैंकों को 800 करोड़ रूपये की राशि भी उपलब्ध करवाई गई। किसानों की आय को बढ़ाने के लिये मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेहतर प्रबंधन और सिंचाई परियोजनाओं पर प्राथमिकता से कार्य करवाये। इन कार्यों से प्रदेश में अधिक से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। वर्ष 2020 तक लगभग 40 लाख 27 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएँ विकसित की गईं। प्रदेश में 19 वृहद, 97 मध्यम और 5344 लघु सिंचाई योजनाओं का कार्य पूर्ण किया गया। इसके साथ ही 27 वृहद, 47 मध्यम और 287 लघु सिंचाई योजनाएँ प्रगति पर हैं। प्रदेश में अगले 5 वर्षों में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है कोरोना काल में पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं में 57 हजार 653 जल- संरचनाओं का निर्माण किया गया। इन सभी जल संरचनाओं से जहाँ एक ओर स्थानीय लोगों को कोरोना काल में रोजगार मिला, वहीं भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी के साथ किसानों को खेती में सिंचाई के लिये पानी भी मिल रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा विगत कई वर्षों से सिंचाई बजट में निरंतर वृद्धि भी की जा रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राजस्व पुस्तक परिपत्र में नये प्रावधान जोड़े हैं। इन प्रावधानो में प्राकृतिक प्रकोप, आग लगने तथा वन्य प्राणियों द्वारा मकान नष्ट किये जाने पर आर्थिक सहायता को शामिल किया।

विचार-मंथन

महंगाई से त्रस्त

पिछले कुछ समय से पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के मूल्यों में लगातार बढ़ोतरी की वजह से यह चिंता गहरी होती जा रही है कि अगर महंगाई इसी तरह बेलगाम रही तो कुछ समय बाद आम लोगों के सामने गुजारा करने के कितने विकल्प बचेंगे! गौरतलब है कि देश के कई शहरों में पेट्रोल के दाम जहां लगभग सौ रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गए हैं, वहीं डीजल भी अस्सी रुपए प्रति लीटर से ज्यादा के भाव पर बिक रहा है। इसके अलावा, बीते महज दो महीने के भीतर रसोई गैस के एक सिलेंडर की कीमत में दो सौ रुपए का उछाल आ चुका है। हर कुछ रोज बाद इनके भाव में जैसी तेजी आ रही है, उसे देखते हुए फिलहाल इसमें स्थिरता की उम्मीद नहीं बन रही है। सवाल है कि जिस दौर में लोग पहले ही गिरती आमदनी के बरक्स बढ़ती महंगाई से परेशान हैं, उसमें क्या सरकार के हाथ से सब छूटता जा रहा है और वह महंगाई पर रोक लगाने में सक्षम नहीं है! जब सवाल उठते हैं तब सरकार की दलील होती है कि तेल की कीमतों पर लगाम लगाना उसके हाथ में नहीं है और ये अंतरराष्ट्रीय भाव के मुताबिक घटती-बढ़ती हैं। मगर जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें मध्यम स्तर पर बनी हुई हैं, तब भी देश में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के भाव आसमान क्यों छू रहे हैं? फिर जब कच्चे तेल की

अंतरराष्ट्रीय कीमतों में काफी उतार देखा गया था, तब भी क्या उससे राहत देश के आम लोगों को मिल सकी? यह किसी से छिपा नहीं है कि डीजल के मूल्यों में बढ़ोतरी का सीधा असर बाजार में मौजूद लगभग सभी वस्तुओं पर पड़ता है। दरअसल, वस्तुओं की आपूर्ति आमतौर पर डीजल-चालित वाहनों पर निर्भर होती है और डीजल के दाम में बढ़ोतरी के साथ माल ढुलाई भी बढ़ती है, जिसके असर में खुदरा वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं। पिछले करीब साल भर से महामारी की मार के चलते बाजार से लेकर रोजगार के तमाम क्षेत्रों की हालत किसी से छिपी नहीं है। हालत यह है कि लोगों की आमदनी तो घट या फिर ठहर गई है, लेकिन अमूमन हर वस्तु के मूल्य में बढ़ोतरी के साथ उनके खर्चे भी बढ़ गए हैं। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छिन गई और सब कुछ बंद रहने की वजह से आय का भी कोई जरिया नहीं रहा था। उसके बाद क्रमशः ढिलाई के साथ हालात सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन अब भी यह नहीं कहा जा सकता है कि सब कुछ पहले जैसा हो गया है। सच यह है कि भारत में साधारण परिवारों में छोटे स्तर पर की जाने वाली घरेलू बचतों की प्रवृत्ति के चलते लोग कुछ समय तक अभाव का सामना कर लेते हैं। लेकिन अगर इस स्थिति में निरंतरता बनी रहे तो बहुत दिनों तक लोग खुद को नहीं संभाल सकते। सरकार को जहां महंगाई में कमी लाने के लिए तत्काल ठोस पहल करनी चाहिए, वहीं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी के जरिए लोगों की क्रयशक्ति में इजाफा करने का भी इंतजाम करना चाहिए। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि महंगाई का सबसे मारक असर उसी निम्न मध्यम और कमजोर तबकों पर पड़ता है, जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं।

चिंतन मंथन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं। राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है। इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

उत्तर प्रदेश की सियासत

समायिकी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अब साल भर का समय बचा है. सभी राजनैतिक पार्टियां एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं. हाल यह है कि प्रदेश की सियासत दो हिस्सों में बंट गई है. एक तरफ योगी के नेतृत्व में बीजेपी आलाकमान अपनी सत्ता को बचाए रखने के लिए हाथ-पैर मार रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी 'शाम-दाम-दंड-भेद' किसी भी तरह से योगी सरकार को सत्ता से बेदखल कर देना चाहती हैं. इसके लिए इन दलों द्वारा प्रदेश की जनता के बीच योगी सरकार के खिलाफ बेचैनी का माहौल पैदा जा रहा है. सपा-कांग्रेस द्वारा प्रदेश में घटने वाली हर छोटी-बड़ी घटना को साम्प्रदायिक और जातिवाद के रंग में रंगने की साजिश रची जा रही है. कभी योगी सरकार को ब्राह्मण विरोधी तो कभी महिला,दलित विरोधी करार दिया जाता है. खैर,कांग्रेस तो पिछले तीन दशकों से अधिक समय से यूपी में हासिए पर पड़ी है. इस लिए बीजेपी नेताओं के पास उसकी सरकार के खिलाफ बोलने को कुछ अधिक नहीं है. यह और बात है कि यूपी में जब तक कांग्रेस की सरकार रही,तब कांग्रेस कैसे सत्ता चलाती थी,किसी से छिपा नहीं था. क्रांग्रेस की पूरी सियासत जातिवादी राजनीति के इर्दगिर्द घूमती रहती थी. दिल्ली में बैठे गांधी परिवार के हाथ में यूपी के मुख्यमंत्री का रिमोट रहता था.

यूपी में 32 वर्षो से सत्ता के केन्द्र में आने के लिए संघर्षरत कांग्रेस पार्टी का बुरा दौर 1989 के बाद शुरू हो गया था. इसकी वजह थी, अयोध्या का रामजन्म भूमि विवाद,जिसको लेकर बीजेपी हिन्दुत्व को भुनाने में जुटी हुई थी तो कांग्रेस दोनों हाथों में लड्डू चाहते थे. इसके चलते कांग्रेस न इधर की रही, न उधर की रही. इस दौरान कांग्रेस की नेताओं की लंबी फेहरिस्त भी जातीय राजनीति का शिकार होने से अपने आप को बचा नहीं पाई थी. नतीजा, एक के बाद चुनाव हारते और गिरते प्रदर्शन से यूपी कांग्रेस हाशिए पर चली गई. अगर कहा जाय कि केन्द्र में बदलती सरकारों के समीकरण का सबसे ज्यादा असर यूपी कांग्रेस पर पड़ा तो कोई गलत नहीं होगा. जब-जब केन्द्र की राजनीति ने करवट ली, प्रदेश की राजनीति भी विकास के वादे से दूर जातिवादी राजनीति पर आकर टिक गई. यह सच है कि यूपी में कांग्रेस को खड़ा करने के लिए दिल्ली कांग्रेस नेतृत्व ने प्रदेश को कई कैडर के नेता दिए, इसमें महावीर प्रसाद,सलमान खुर्शीद, श्री प्रकाश जायसवाल,निर्मल खत्री,राजब्बर जैसे नाम शामिल थे. लेकिन स्थानीय और क्षेत्रीय समीकरणों में फिट न बैठ पाने की वजह से एक के बाद एक कांग्रेस अध्यक्ष पार्टी की दशा सुधारने की बजाए बारी-बारी से अध्यक्ष की कुर्सी को शोभायमान कर चले गए. कांग्रेस का प्रदर्शन लगातार गिरता चला गया. यहां तक कि यूपी में प्रियंका वाड्रा से पूर्व तीन बार यूपी कांग्रेस के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके गुलाम नबी आजाद भी कोई कमाल न दिखा सके और उन्हें भी वापस जाना पडा. प्रदेश में एनडी तिवारी कांग्रेस के अंतिम मुख्यमंत्री साबित हुए थे. उसके बाद समाजवादी जनता दल से मुलायम सिंह यादव की प्रदेश में सरकार बनी थी. इस बारे में राजनीति के जानकार कहते हैं कि देश

में क्षेत्रीय क्षत्रपों के पनपने के बाद देश हो या प्रदेश, हर जगह जातिवादी राजनीति का बोलबाला बढ़ने लगा. यूपी के परिपेक्ष्य में अगर देखें तो यहां मुलायम और मायावती जैसे नेताओं ने जाति आधारित राजनीति को काफी तेजी से आगे बढ़ाया. इसी वजह से कांग्रेस का दलित वोटर मायावती के साथ और पिछड़ा एवं मुस्लिम वोटर समाजवादी खेमें में चला गया. बनिया-ब्राह्मणों तथा अन्य अगड़ी जातियों ने बीजेपी का दामन थाम लिया, तभी से कांग्रेस का ग्राफ गिरता गया. 1989 के बाद के समीकरणों को गौर से देखें तो अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग जाति का प्रतिनिधित्व करने से केन्द्र व प्रदेश दोनों की राजनीति प्रभावित हुई. गौर से देखें तो जातिवादी राजनीति में खास जाति का प्रभुत्व सरकार का प्रतिनिधित्व करता नजर आयेगा. इस लहर में कांग्रेस के लीडर एक के बाद एक धराशायी हो गए. न पहले सोनिया गांधी इस गिरावट को रोक पाई, न अब राहुल -प्रियंका कुछ कर पा रही हैं. बात समाजवादी पार्टी की कि जाए तो पिछले दो चुनावों (2014 के लोकसभा और 2017 के विधान सभा चुनाव) में उसका भी हाल बुरा ही रहा. बात सपा की कि जाए तो 2013 में उसके राज में हुए मुजफ्फरनगर दंगों ने 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को बढ़त बनाने का मौका दिया तो 2017 में सत्ता विरोधी लहर और प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात के चलते अखिलेश को सत्ता से बेदखल होना पड़ गया. फिर भी 2022 के विधान सभा चुनाव को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के हौसले बुलंद हैं तो इसे उप-चुनावों में समाजवादी पार्टी के अच्छा प्रदर्शन को इसका आधार बताया जा सकता है. क्योंकि उप-चुनावों में समाजवादी पार्टी को जीत का स्वाद भले कम मिला हो,लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी ही भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को टक्कर देते नजर आए. इतना ही नहीं अखिलेश के कार्यक्रमों में भीड़ भी जुट रही है. इससे भी अखिलेश गद्गद हैं. बात बसपा सुप्रीमों मायावती की कि जाए तो अगले वर्ष होने वाले विधान सभा चुनाव को लेकर उनकी सुस्ती किसी के समझ में नहीं आ रही है. लम्बे समय से वह कहीं दिखाई नहीं दे रही हैं. योगी सरकार को घेरने के लिए भी वह ज्यादा रूचि नहीं दिखाती हैं. हॉ ,जनवरी में अपने 65वें जन्मदिन पर जरूर उन्होंने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर सबको चैंका दिया था. वैसे भी मायावती का यही मानना है कि हमें गठबंधन से नुकसान होता है. माया ने दावा भी किया था कि आगामी चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की जीत तय है,लेकिन जो हालात नजर आ रहे हैं उससे तो यही लगता है कि मायावती विधान सभा चुनाव को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं. बसपा ने अभी तक तमाम विधान सभा सीटों के लिए प्रभारी तक नहीं नियुक्त किए हैं. उल्लेखनीय है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और बसपा ने हाथ मिलाया था. 2014 के चुनाव में एक भी सीट नहीं जीतने वाली बसपा ने तब 10 सीटों पर जीत दर्ज की थी, वहीं, सपा 2014 की ही तरह 2019 में भी 5 सीट पर सिमट कर रह गई थी.आश्चर्य की बात यह है कि मायावती कभी बीजेपी को चुनौती देती नजर आती हैं तो कभी वह बीजेपी के कामों की तारीफ करने लगती हैं या फिर तमाम मौकों पर चुप्पी साध लेती हैं. इसी के चलते राजनैतिक पंडित भी मायावती की भविष्य की राजनीति को समझ नहीं पा रहे हैं.

विचार मंथन

घोटालों के बादल और चुनावी हिंसा

पश्चिम बंगाल में चुनावों की औपचारिक घोषणा के साथ ही राजनैतिक पारा भी उफान पर पहुँच गया है. देखा जाए तो चुनाव किसी भी लोकतंत्र की आत्मा होते हैं सैद्धांतिक रूप से तो चुनावों को लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है.और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की नींव को मजबूती प्रदान करते हैं. लेकिन जब इन्हीं चुनावों के दौरान हिंसक घटनाएं सामने आती हैं जिनमें लोगों की जान तक दांव पर लग जाती हो तो प्रश्न केवल कानून व्यवस्था पर ही नहीं लगता बल्कि लोकतंत्र भी घायल होता है. वैसे तो पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान हिंसा का इतिहास काफी पुराना है. नेशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े इस बात को तथ्यात्मक तरीके से प्रमाणित भी करते हैं. इनके अनुसार 2016 में बंगाल में राजनैतिक हिंसा की 91 घटनाएं हुईं जिसमें 206 लोग इसके शिकार हुए. इससे पहले 2015 में राजनैतिक हिंसा की 131 घटनाएं दर्ज की गई जिनके शिकार 184 लोग हुए थे. वहीं गृहमंत्रालय के ताजा आंकड़ों की बात करें तो 2017 में बंगाल में 509 राजनैतिक हिंसा की घटनाएं हुईं थीं और 2018 में यह आंकड़ा 1035 तक पहुंच गया था. इससे पहले 1997 में वामदल की सरकार के गृहमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य ने बाकायदा विधानसभा में यह जानकारी दी थी कि वर्ष 1977 से 1996 तक पश्चिम बंगाल में 28,000 लोग राजनैतिक हिंसा में मारे गए थे. निसंदेह यह आंकड़े पश्चिम बंगाल की राजनीति का कुत्सित चेहरा प्रस्तुत करते हैं. पंचायत चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल का रक्तरंजित इतिहास उसकी ÷शोनार बंगला÷ की छवि जो कि रबिन्द्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसी महान विभूतियों की देन है उसे भी धूमिल कर रहा है. बंगाल की राजनीति वर्तमान में शायद अपने इतिहास के सबसे दयनीय दौर से गुज़र रही है जहाँ वामदलों की रक्तरंजित राजनीति को उखाड़ कर एक स्वच्छ राजनीति की शुरुआत के नाम पर जो तृणमूल सत्ता में आई थी आज सत्ता बचाने के लिए खुद उस पर रक्तपिपासु राजनीति करने के आरोप लग रहे हैं. हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ने के साथ ही राज्य में हिंसा के ये आंकड़े भी लगातार बढ़ते जा रहे हैं. चाहे वो भजपा के विभिन्न रोड़ शो के दौरान हिंसा की घटनाएं हों या उनकी परिवर्तन यात्रा को रोकने की कोशिश हो या फिर जेपी नड्डा के काफिले पर पथराव हो. यही कारण है कि चुनाव आयुक्त को कहना पड़ा कि बंगाल में जो परिस्थितियां बन रही हैं उससे यहाँ पर शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव करना चुनाव आयोग के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है. स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि चुनाव आयोग इस बार 2019 के लोकसभा चुनावों की अपेक्षा 25 फीसदी अधिक सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने पर विचार कर रहा है. लेकिन इस चुनावी मौसम में बंगाल के राजनैतिक परिदृश्य पर घोटालों के बादल भी उभरने लगे हैं जो कितना बरसेंगे यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन वर्तमान में उनकी गर्जना तो देश भर में सुनाई दे रही है. दरअसल केंद्रीय जाँच ब्यूरो ने राज्य में कोयला चोरी और अवैध खनन के मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी संसद अभिषेक बैनर्जी की पत्नी रुजीरा बैनर्जी और उनकी साली को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है. इससे कुछ दिन पहले शारदा चिटफंड घोटाला जिसमें देश के पूर्व वित्तमंत्री चिदम्बरम और खुद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर आरोप लगे थे, इस मामले में सीबीआई ने दिसंबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट में एक अवमानना याचिका दायर की थी.

डॉं नीलम महेंद्र

अपने घर और कीमती सामान को दें होम इंश्योरेंस की सुरक्षा

कुदरती या मैन-मेड डिजास्टर होने पर हमें इंश्योरेंस कवर की अहमियत का पता चलता है। हाल में भूकंप के झटके दिल्ली में महसूस किए गए। ये घटनाएं हमें सोचने के लिए मजबूर करती हैं। अपने घर के लिए पर्याप्त इंश्योरेंस कवर खरीदना खासतौर पर तब जबकि आपने घर के लिए होम लोन लिया हो या आपके घर में कीमती सामान मौजूद हो तो आपको होम इंश्योरेंस कवर लेना चाहिए।

दरती या मैन-मेड डिजास्टर होने पर हमें इंश्योरेंस कवर की अहमियत का पता चलता है। हाल में भूकंप के झटके दिल्ली में महसूस किए गए। ये घटनाएं हमें सोचने के लिए मजबूर करती हैं। अपने घर के लिए पर्याप्त इंश्योरेंस कवर खरीदना खासतौर पर तब जबकि आपने घर के लिए होम लोन लिया हो या आपके घर में कीमती सामान मौजूद हो तो आपको होम इंश्योरेंस कवर लेना चाहिए। एचडीएफसी एर्गो के एग्जेक्युटिव मैनेजमेंट के मेंबर और हेड स्ट्रैटेजी प्लैनिंग, एचआर ऐंड मार्केटिंग मुकेश कुमार के मुताबिक, %इंडिया में होम इंश्योरेंस की जरूरत को अनसुना किया जाता है और इसे हल्के में लिया जाता है। हालांकि, गुजरे कुछ वक्त में यह स्थिति काफी बदली है। इस वक्त मार्केट में कई तरह के सुविधाजनक ऑप्शन मौजूद हैं, इनसे न केवल प्रॉपर्टी को बल्कि अपने कीमती सामान को भी सिक्योर किया जा सकता है। युवा लोग घर, दफ्तर में पैसा लगा रहे हैं ताकि क्राइसिस के वक्त पर उनकी प्रॉपर्टी की सुरक्षा हो सके। अब ज्यादातर होम लोन खरीदार होम लोन इंश्योरेंस कवर के बारे में जानकारी रखते हैं। इसके लिए बैंक और इंश्योरेंस पार्टनरों को श्रेय जाता है जो कि लोगों पर कवर खरीदने के लिए दबाव बनाते हैं। हालांकि, होम इंश्योरेंस बिलकुल अलग चीज है। होम लोन इंश्योरेंस में अगर लोन लेने वाले के साथ कोई दुर्घटना हो जाती है तो उसके लोन का भुगतान इंश्योरेंस कंपनी करती है। लेकिन, होम इंश्योरेंस में अगर आपकी प्रॉपर्टी को कुछ नुकसान पहुंचता है, तो इस पर आपको कवर मिलता है। इस तरह की पॉलिसियों में स्ट्रक्चर और घर के सामान दोनों को कवर दिया जाता है। हालांकि, अगर आप अपने घर के कीमती सामान को भी कवर्ड कराना चाहते हैं तो इसके लिए आपको बताना पड़ेगा। आपको प्रपोजल फॉर्म में उन सभी आइटमों की लिस्ट भरनी पड़ेगी जिन्हें आप कवर देना चाहते हैं। आपको क्लेम सेटलमेंट के वक्त फर्स्ट इनफर्मेशन रिपोर्ट (एफआईआर), फायर ब्रिगेड रिपोर्ट या अन्य ब्योरे देने पड़ सकते हैं।अर्थक्वेक, फायर, लाइटनिंग, साइक्लोन, वॉटर टैंक के फटने या ओवरफ्लो या इसी तरह की दूसरी चीजों के लिए कवरेज मिलता है। कुछ पॉलिसीज टेरर अटैक, चोरी वगैरह के लिए भी अतिरिक्त कवरेज दिया जाता है। आईसीआईसीआई लोंबार्ड के अंडरराइटिंग और क्लेम के चीफ संजय दत्त के मुताबिक, %ऐसे में बिल्डिंग का सम इंश्योर्ड न तो खरीदने की कॉस्ट और न ही घर की मार्केट वैल्यू होनी चाहिए, बल्कि यह मौजूदा कंस्ट्रक्शन कॉस्ट होनी चाहिए क्योंकि बिल्डिंग की मार्केट कॉस्ट में लैंड की कॉस्ट भी शामिल होती है जिस पर घर बनाया गया होता है। इसी तरह से हाउसहोल्ड एप्लायंसेज, गैजेट्स, ज्यूलरी, फर्नीचर और अन्य इक्विपमेंट के लिए भी इनको रीप्लेस करने की कॉस्ट निकाली जाती है। साफ शब्दों में, इन चीजों की मार्केट वैल्यू में से डिप्रेसिएशन कॉस्ट निकाल दी जाती है और इसको सम इंश्योर्ड माना जाता है। दत्ता कहते हैं, हालांकि, दिया जाने वाला क्लेम अमाउंट वह होना चाहिए जिससे डैमेज होने से पहले की स्थिति में आइटम को लाया जा सके। जो कि सम इंश्योर्ड की पर्याप्तता पर निर्भर करता है। कवर्ड जूलरी और अन्य वैल्यूएबल का नुकसान ब्रॉशर में दी गई सब-लिमिट या सीलिंग पर निर्भर करता है। मिसाल के तौर पर, आपकी पॉलिसी में यह दर्ज हो सकता है कि आपके वैल्यूएबल्स का कवर कुल सम इंश्योर्ड के 25 फीसदी या 1 लाख रुपए, इनमें से जो भी कम है, होगा।

इस ब्रेन डाइट को लेकर आप अपना दिमाग बना सकते हैं चुस्त

कई शोधों में यह साबित हो चुका है कि कुछ खास खाद्य पदार्थों को खाने से दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है वैसे तो हम जानते हैं की अपने दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए हमें अच्छी डाइट लेनी चाहिए। लेकिन क्या आपको ये मालूम है कि जिसे हम अच्छा समझ कर खा रहे हैं उनमें से हमारे दिमाग के लिए क्या अच्छा है और क्या शरीर के लिए।

कई शोधों में यह साबित हो चुका है कि कुछ खास चीजें खाने से दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जानिए उन खाद्य पदार्थों के बारे में जो ब्रेन को सक्रिय बनाए रखते हैं।

पालक

पालक और अन्य पत्तेदार सब्जियों के सेवन से आयरन मिलता है जिससे याददाश्त बढ़ती है और दिमाग तेज करने वाले न्यूरोट्रांसमीटर्स का स्राव होता है। इसमें मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स दिमाग को कई रोगों से सुरक्षित रखते हैं।

जामुनी फल

काले अंगूर, जामुन और काला शहतूत जैसे फल, जिनका रंग काला, जामुनी या नीला होता है इनमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, प्लांट कंपाउंड जैसे फाइटोकैमिकल्स होते हैं जो दिमागी कोशिकाओं को क्षतिग्रस्त होने से रोकते हैं।?

सूखे मेवे- विटामिन-ई का प्रमुख स्रोत अखरोट, बादाम, काजू, मूंगफली, तिल और अलसी के बीज आदि खाने से दिमाग चुस्त रहेगा।

बींस

ये दिमाग को स्वस्थ रखने का बढिया और सस्ता विकल्प हैं। ये आपके शरीर के ग्लूकोज लेवल को नियंत्रण में रखती हैं। इसके लिए हरी फली, दाल, राजमा या लोबिया फायदेमंद रहेंगे।

अनार

इसके जूस में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंट्स दिमाग को फ्री रेडिकल्स (वे रसायन जो रेडिएशन, प्रदूषण व धूम्रपान आदि के कारण शरीर में बढ़ जाते हैं और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं) के प्रभाव से बचाते हैं। इन फ्री रेडिकल्स का सबसे ज्यादा असर हमारे दिमाग पर होता है।

गोभी

फूलगोभी, ब्रोकली और पत्तागोभी एंटी ऑक्सीडेंट्स व कई अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। ये दिमाग की क्षमता को नकारात्मक प्रभावों से बचाते हैं।?

स्ट्रॉबेरी

वैज्ञानिकों ने पाया है कि स्ट्रॉबेरी, ब्लू बेरी जैसे फलों में दिमाग को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से सुरक्षित रखने की क्षमता होती है जिससे बढ़ती उम्र में होने वाले अल्जाइमर और डिमेंशिया (स्मृति लोप) जैसे रोगों का खतरा कम होता है।?

टमाटर

इसमें पाया जाने वाला लाइकोपीन पावरफुल एंटी ऑक्सीडेंट होता है। कैंसररोधी गुणों के लिए जाना जाने वाला टमाटर फ्री रेडिकल्स का प्रभाव कम करता है। इससे अल्जाइमर व डिमेंशिया का खतरा कम होता है।

साबुत अनाज- इनसे बनी चीजें जैसे ब्राउन ब्रेड, ब्राउन राइस, मक्के की रोटी, कॉर्नसूप, दलिया, और खिचड़ी दिमाग को फायदा पहुंचाते हैं। ये चीजें दिल स्वस्थ रखती हैं जिससे बाकी अंग भी ठीक से काम करते हैं।

खूब खाइए मसालेदार खाना, कम होता है मौत का खतरा

अध्ययन में पाया गया कि जिन्होंने रोजाना मसालेदार भोजन खाया उनकी मौत की आशंका 14 फीसदी कम पाई गई अगर आपको भी ऐसा लगता है कि अधिक मसालेदार खाना खाने से आपकी तबियत खराब हो सकती है और आप बीमार पड़ सकते हैं, तो इस बात को अपने दिमाग से निकाल दीजिए। अधिक मसालेदार भोजन करने से आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। अगर आप मसालेदार भोजन खाएंगे तो आपको कैंसर, दिल और सांस की होने वाली बीमारियों से भी छुटकारा मिल सकता है।? एक अध्ययन से पता चला है कि मसालेदार भोजन कई बीमारियों से बचाकर मौत को पीछे धकेलने में मददगार साबित होता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित पेपर में शोधार्थियों ने यह बात बताई है। इसमें कहा गया है कि मसालेदार भोजन को अधिक बार लेने से कैंसर, दिल और सांस की बीमारी से होने वाली मौतों का खतरा कम होता है। अध्ययन में पाया गया कि इसमें हिस्सा लेने वाले उन लोगों ने जिन्होंने रोजाना मसालेदार भोजन खाया, उनकी मौत की आशंका उन लोगों के मुकाबले 14 फीसदी कम पाई गई, जिन्होंने हफ्ते में एक बार मसालेदार भोजन ग्रहण किया।

जांच परख कर खरीदें सोना

गहने स्त्रियों के सच्चे मित्र माने जाते हैं और मनपसंद गहने चुन पाना सच्चा दोस्त मिलने जैसा ही मुश्किल होता है। कोई भी ऐसी स्त्री नहीं, जो एक बार में आभूषण पसंद करके खरीद लेती हो। किसी का डिजाइन भाता है तो किसी की फिटिंग नहीं हो पाती, कभी सब पसंद आ जाता है तो जेब पर भारी पड़ता है। गहनों की जगमग दुनिया से एक जगमगाता आभूषण चुनना बहुत मुश्किल होता है। औरतों के साथ शॉपिंग करना सबसे मुश्किल काम है..। अमूमन पुरुषों का यही मानना है और यह बात पूरी तरह सच साबित होती है, जब वे ज्यूलरी शो-रूम में बैठी होती हैं। फिर भी कुछ टिप्स हैं, जो मुश्किल कम कर सकते हैं। अगली बार कुछ खरीदने जाएं तो इन्हें पढ़ लें।

1 .
जब आप ड्रेस खरीदती हैं तो उसे ट्रायल रूम में पहनकर देखती हैं। ज्यूलरी को भी पहनकर जरूर देखें। सुंदरता के साथ यह भी जरूरी है कि वह आप पर अच्छी लगे और सुविधाजनक हो। 2. पहली नजर में कुछ आपको लुभा रहा है और वह पॉकेट के माफिक भी है तो उसे खरीद लें। ये न सोचें कि सिल्वर है या गोल्ड, असली है या नकली। कई बार पहली नजर में कुछ पसंद आता है, इसके बाद दर्जनों चीजें देखने के बावजूद कुछ अच्छा नहीं लगता। क्योंकि पहली चीज मन पर छाई होती है। उसे खरीद लें, अगली बार का इंतजार न करें।

3. कोई ऐसा ट्रेंडी पीस लेना चाहती हैं, जो लंबे समय तक स्टाइल में नहीं रहेगा तो कॉस्ट्यूम ज्यूलरी खरीदें। ये असली नहींहोती, साथ ही कुछ सस्ती भी मिल जाती है।

4. लंबे समय के लिए आभूषण खरीदना चाहती हैं तो क्लासिक डिजाइनर ज्यूलरी लें। ये महंगी होती है, लेकिन जिंदगी भर साथ देती है।

5. आभूषण व्यक्तित्व को बदल देते हैं। इनमें प्रयोग करना सीखें। कई बार एक बोल्ड पीस आउटफिट की खूबसूरती को दुगना कर देता है। लेकिन इसे पहनकर आईना जरूर देख लें कि यह आप पर फब रहा हो।

6. कुछ भी ऐसा न लें, जिसे लेने में थोड़ी हिचक हो। क्योंकि बाद में भी उसे पहनने में आपको जरूर हिचक होगी।

7. हड़बड़ी में आभूषण न खरीदें। दो-तीन स्थानों पर अवश्य जांच-परख लें। गुणवत्ता, डिजाइन, रंग, मूल्य, हॉलमार्किंग जैसे पहलुओं पर विचार करने के बाद ही आभूषण खरीदें।

8. ज्यूलरी की ऑनलाइन खरीदारी करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें। तकनीकी जानकारियों के अलावा यह भी जरूर देख लें कि अपनी फिटिंग बिलकुल सही बताएं।

9. यह भी ध्यान दें कि आभूषण किस अवसर-आयोजन या स्थान पर पहना जाना है। बड़ा सा चोकर किसी खास शाम के लिए बेहतर हो सकता है, लेकिन उसे पहनकर आप कंप्यूटर पर काम नहींकर सकतीं।

10. किसी एक डिजाइनर, ब्रैंड या शो-रूम के नाम पर न जाएं। जरूरी नहींकि आपका ज्यूलरी बॉक्स डिजाइनर ज्यूलरी से भरा हो। कई बार ब्रैंड के अलावा भी खूबसूरत पीस दिखते हैं, जो स्टाइल स्टेटमेंट बना सकते हैं।

11. अपने कद और चेहरे के हिसाब से गहने खरीदें। चेहरा छोटा है तो बहुत बड़ा पीस अच्छा नहींलगेगा। उम्र कम है तो पारंपरिक आभूषणों के बजाय हलके और सस्ते डिजाइनर पीस लें। इसी तरह अधिक उम्र में शैंडलियर के बजाय छोटे व शालीन डिजाइन वाले टॉप्स खरीदें।

कोरोना के प्रति लापरवाही छोड़े : सतर्कता जरूरी - मुख्यमंत्री चौहान ने की अपील

महाराष्ट्र से आने वाले यात्रियों के लिए टेस्ट रिपोर्ट लाना अनिवार्य स्कूल, कॉलेजों में मास्क अनिवार्य

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भोपाल और इंदौर में कोरोना के प्रकरणों में लगातार वृद्धि हो रही है। मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग पर सख्ती जरूरी है। यदि अगले 3 दिन में कोरोना के प्रकरणों में गिरावट नहीं हुई तो 8 मार्च से भोपाल और इंदौर में रात्रि कर्फ्यू लगाया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यह निर्देश मंत्रालय में कोरोना की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इंदौर में लंदन वैरिएंट से प्रभावित 6 मरीज मिले हैं। लंदन वैरिएंट का संक्रमण अधिक घातक है। इसकी संक्रामक क्षमता तुलनात्मक रूप से अधिक है। इंदौर में पिछले सप्ताह प्रतिदिन औसतन 151 प्रकरण बढ़े हैं। इसी प्रकार भोपाल में 78, जबलपुर में 16, बैतूल में 13 और छिंदवाड़ा व उज्जैन में 11-11 प्रकरणों की प्रतिदिन औसतन वृद्धि हुई है। इंदौर में पिछले 15 दिनों में प्रकरणों की संख्या दोगुनी हो गई है। इस गंभीरता को देखते हुए इंदौर और भोपाल में सावधानियाँ बरतना और सख्ती करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दुकानदारों से सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करने, मास्क लगाने और अन्य सावधानियाँ बरतने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दुकानदार दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करें जो दुकानदार बिना मास्क के दुकान पर बैठेंगे या बिना मास्क लगाए व्यक्तियों को सामान देंगे उन पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सामान्य तौर पर रोको-टोको के लिए भी भोपाल और इंदौर में तत्काल प्रभाव से अभियान आरंभ किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, उज्जैन और महाराष्ट्र से लगे जिलों में कोरोना से प्रभावित प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है। प्रदेश में किसी भी हालत में स्थिति को बिगड़ने नहीं दिया जाए। महाराष्ट्र से आने वाले यात्रियों के लिए कोरोना निगेटिव की रिपोर्ट लाना अनिवार्य होगा। इसकी जवाबदारी बस ऑपरेटरों की होगी। बस ऑपरेटर रिपोर्ट के आधार पर ही यात्रियों को बस में प्रवेश दें। राज्य की सीमा पर पुख्ता चैकिंग की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए हैं कि महाराष्ट्र सीमा से लगे सभी जिलों पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शासकीय तथा गैर-शासकीय शैक्षणिक संस्थाओं में मास्क का उपयोग अनिवार्य किया जाए। इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि टीकाकरण केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित की जाएँ। बुजुर्गों सहित सभी व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था, शेड, पेयजल, व्हील-चेयर और टीकाकरण के बाद ऑब्जर्वेशन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सामाजिक संगठनों से टीकाकरण केन्द्रों पर चाय, पानी, शरबत आदि की व्यवस्था करने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिनका टीकाकरण हो रहा है, उन्हें प्रमाण-पत्र के साथ-साथ एक मार्गदर्शी कार्ड भी उपलब्ध कराया जाए, जिसमें अगले टीकाकरण की तिथि, सामान्य जानकारियाँ और आवश्यक सावधानियों के संबंध में उल्लेख हो। बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में 469 केन्द्रों पर टीकाकरण जारी है। ग्यारह मार्च से 1808 केंद्रों पर टीकाकरण आरंभ हो जाएगा और इस माह के अंत तक 5595 केंद्रों पर टीकाकरण की सुविधा का विस्तार किया जाएगा। अब तक 3 लाख 66 हजार 528 हेल्थ केयर वर्कर्स और 3 लाख 2 हजार 165 फ्रंट लाईन वर्कर्स को प्रथम डोज़ का टीका लग चुका है। साठ साल से अधिक आयु वर्ग के प्राथमिकता वाले आयु समूह के एक लाख 3 हजार 911 व्यक्तियों को भी टीका लगाया जा चुका है।

फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिये उद्यमी आगे आएँ, सरकार हर संभव मदद करेगी : केन्द्रीय मंत्री तोमर

भोपाल । केन्द्रीय खाद्य प्र-संस्करण उद्योग, कृषि एवं पंचायतीराज व ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि ग्वालियरङ्क चंबल अंचल खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की स्थापना के लिहाज से अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। इनका दोहन कर इस क्षेत्र के छोटे और मझौले किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त किया जा सकता है। सरकार की फूड प्रोसेसिंग योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमी इस क्षेत्र में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयाँ (फूड प्रोसेसिंग यूनिट) लगाने के लिये आगे आएँ। सरकार फूड प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द मंजूरी दे रही है। श्री तोमर ग्वालियर में आयोजित खाद्य प्र-संस्करण शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खाद्य प्र-संस्करण से जुड़कर किसान भी समृद्ध होंगे। साथ ही उद्यमियों को भी बड़ा फायदा होगा। %मध्यप्रदेश में कृषि एवं खाद्य प्र-संस्करण के अवसर और समावेशी विकास के लिये निर्माण साझेदारी% पर शुक्रवार को हुए इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता मध्यप्रदेश उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने की। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आत्म-निर्भर पैकेज के तहत भारत सरकार ने फूड प्रोसेसिंग की 10 हजार छोटी इकाइयों की स्थापना में मदद देने का निर्णय लिया है। साथ ही कृषि अधोसंरचना पर भी सरकार एक लाख करोड़ रूपए खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल सांस्कृतिक, पुरातात्विक, व्यापारिक क्षेत्र के साथ ही कृषि के क्षेत्र में भी समृद्ध है। यहाँ गेहूँ और धान का उत्पादन तो अच्छा होता ही है दलहन और तिलहन विशेषकर सरसों के उत्पादन, प्र-संस्करण की भी अपार संभावनाएँ हैं। मुरैना, भिण्ड और ग्वालियर में तिलहन प्र-संस्करण के कई उद्योग सुचारू रूप से चल रहे हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मुरैना जिला शहद की दृष्टि से भी अग्रणी है। नेफेड ने शहद का एक एफपीओ बनाया है। जिसके माध्यम से गुणवत्ता युक्त शहद उत्पादन में वृद्धि, बेहतर पैकेजिंग-मार्केटिंग हो पाएगी। यहाँ का शहद देश के साथ दुनिया में भी बिके, इसका प्रयास किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने शिखर सम्मेलन में बताया कि किसानों की समृद्धि के लिये भारत सरकार 10 हजार नए एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) बनायेगी। इन एफपीओ पर सरकार द्वारा 6 हजार 865 करोड़ रूपए खर्च किए जायेंगे। एफपीओ यदि खेती के लिए 2 करोड़ रुपए तक का ऋण लेते हैं तो उन्हें ब्याज में 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। श्री तोमर ने कहा कि देश में 86 प्रतिशत छोटे किसान हैं।

मुख्यमंत्री चौहान का जन्म-दिन बना वृक्ष महोत्सव

पेड़ लगाना पृथ्वी को बचाने का अभियान : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। पेड़ लगाना पृथ्वी को बचाने का अभियान है। यह अत्यंत पुनीत कार्य है। इस पवित्र सामाजिक अभियान को सफल बनाने के लिए मैं निकल पड़ा हूँ। आप सब इस कार्य में पूरा सहयोग करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं अपने जन्म-दिन पर आप सभी से आग्रह और अपील करता हूँ कि अधिक से अधिक पौध-रोपण करें, यही मेरे लिये सच्चा उपहार होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज अपने जन्म-दिन के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर मंत्रि-परिषद के सदस्यों, जन-प्रतिनिधि, अधिकारी और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ सामूहिक रूप से पौध-रोपण किया। सभी ने पौध-रोपण में अत्यंत उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान का जन्म-दिन वृक्ष महोत्सव बन गया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने जन्म-दिन पर सुबह सबसे पहले अपने निवास पर बेलपत्र का पौधा रोपा। इस अवसर पर सांसद श्री वी.डी. शर्मा, मंत्री सर्वश्री विजय शाह, डॉ. प्रभुराम चौधरी सहित श्री हितानंद और श्री लोकेंद्र पाराशर आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने निवास पर अपने परिवार के साथ पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय तथा कुणाल ने नारियल, शमी तथा आँवले के पौधे रोपे।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी पार्क में मीडिया प्रतिनिधियों के साथ पौध-रोपण किया। उन्होंने बरगद सहित लगभग 25 प्रजातियों के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री चौहान ने इस अवसर पर धरती को बचाने के लिए पेड़ लगाने के इस पवित्र सामाजिक अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए मीडिया तथा अन्य सभी की सराहना की और धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम और मंत्रि-परिषद के सदस्यों के साथ विधानसभा परिसर में कदंब के 6 पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वल्लभ भवन मंत्रालय में फलदार खिरनी का पौधा लगाया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने पेल्टाफॉर्म, मंत्री श्री कमल पटेल, मंत्री श्री मोहन यादव, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, राज्य मंत्री श्री राम खेलावन पटेल ने भी पौधे लगाए।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी 6 मार्च को रायसेन जिले के दौरे पर

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी 6 मार्च को रायसेन जिले के दौरे पर रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी भोपाल से पूर्वान्ह 11 बजे रायसेन के लिए रवाना होंगे। दोपहर 12 बजे रायसेन में डाईट परिसर में अतिरिक्त हॉल एवं लेक्चर रुम के निर्माण कार्य का भूमि पूजन करेंगे। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी रायसेन से ग्राम गढ़ी मावलखोह मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। गड़ी ग्राम मावलखोह मंदिर से पठरिया धाम जमुनिया कला जाएंगे और वहां पर श्री श्री 21 वा विष्णु महायज्ञ श्री लक्ष्मीनारायण सहस्त्रार्चन पूर्णाहुति कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी दोपहर बाद 03.30 बजे पठरिया धाम जमुनिया कला से गैरतगंज जाएंगे।

पशुपालन मंत्री पटेल ने वृद्धाश्रम में मनाया सी.एम. का जन्म-दिन

भोपाल । सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण और पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री श्री प्रेम सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का जन्म-दिन भोपाल के शाहजहाँनाबाद स्थित %आसरा वृद्धाश्रम% में मनाया। उन्होंने बुजुर्गों से वार्तालाप कर उनकी समस्याएँ जानीं और विभागीय अधिकारियों को वृद्धाश्रम में सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। श्री पटेल ने बुजुर्गों को फल भी वितरित किये। श्री पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृद्ध एवं गुरूजनों का आदर सम्मान कर आर्शीवाद लेने की अच्छी परम्परा है, जो कई अन्य संस्कृतियों में नहीं दिखती। मंत्री श्री पटेल ने इसके पूर्व अपने शासकीय निवास पर आम का पौधा रोपा। श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान का पौध-रोपण का संकल्प हमारी आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रदूषण से बचाएगा। कुछ वर्षों बाद यह संकल्प न केवल देश में बल्कि वैश्विक पर्यावरण के लिये सार्थक परिणाम देने लगेगा। श्री पटेल ने वृद्ध आश्रम में भी पौध-रोपण किया।

शिक्षा का उद्देश्य है ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देना : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री चौहान ने 'शिक्षक शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, कौशल और नागरिकता के संस्कार देना होना चाहिए। नई शिक्षा नीति में इन तीनों बातों का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। इन्हें मध्यप्रदेश में लागू किया जाएगा। कक्षा छठवीं से व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षा का अर्थ तोते की तरह रटना, बस्ते के बोझ से दबे रहना तथा परीक्षा देना नहीं है। शिक्षा से बच्चों का स्वाभाविक विकास तथा उनकी प्रतिभाओं का प्रकटीकरण होना चाहिए। इसके लिए शिक्षकों के शिक्षण-प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा %शिक्षक-शिक्षा का कायाकल्प% पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री कैलाश चंद्र शर्मा, श्री दत्तात्रेय होसबले और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रोफेसर एम. श्री जगदीश कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने %शिक्षा पथ प्रदीपिका% पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शिक्षा देना केवल सरकार का कार्य नहीं है। समाज के सहयोग से शिक्षा दी जानी चाहिए। इस क्षेत्र में विद्या भारती जैसी संस्थाएँ काफी अच्छा कार्य कर रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे कार्य कर रहे संस्थानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्पष्ट रूप से कहा कि शिक्षण संस्थाएँ अमर्यादित शिक्षा देकर विद्यार्थियों को दिग्भ्रमित करें, यह नहीं चलेगा। यदि कोई संस्थान गलत शिक्षा देता है, तो उसे रोका जाएगा। हम आतंकवादी नहीं बनने दे सकते। स्कूलों के नाम पर कुछ भी खोला जाए, यह नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहाँ नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें प्रदेश के विभिन्न शिक्षाविदों को जोड़ा जाए, जो नई शिक्षा नीति के प्रावधानों को मध्यप्रदेश में किस तरह व्यवहारिक रूप से लागू किया जाए, इस संबंध में सुझाव दें। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने गाँव जैत के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक श्री रतन चंद जैन को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई शिक्षा मेरे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों को रामचरित मानस पढ़ाया करते थे। %इससे न केवल मैं वक्ता बना, अपितु मुझे भगवान श्री राम की मर्यादाओं के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा मिली%। बिना नैतिकता के शिक्षा व्यर्थ है। शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाती है और अज्ञान से मुक्त करती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के लिए बनाए गए रोड मैप में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। प्रदेश में उच्च गुणवत्तायुक्त सी.एम. राइज स्कूल खोले जाने के लिए डेढ़ हज़ार करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। अच्छी तकनीकी शिक्षा के लिए ग्लोबल स्किल पार्क तथा आदर्श आईटीआई बनाए जा रहे हैं। स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग सतत प्रयास कर रहा है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था भारत केंद्रित, गुणवत्तापूर्ण और ज्ञान आधारित होना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और एनसीटीई के संयुक्त तत्वधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई है। देशभर के विद्वान, विश्वविद्यालय के कुलपति अलग अलग सत्रों में अपना मार्गदर्शन देंगे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षक-शिक्षा के ऊपर व्यापक मंथन और चिंतन किया जाएगा।

इटली में खेले जा रहे सूकर मैच के दौरान परमा टीम की हैरानी गोल करने के प्रयास में।

उनादकट करेंगे सौराष्ट्र की कप्तानी

मुंबई । अनुभवी तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट विजय हजारे ट्रॉफी एक दिवसीय चैम्पियनशिप के नॉकआउट चरण में सौराष्ट्र के कप्तान होंगे। सौराष्ट्र एलीट ग्रुप ई में 16 अंक लेकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है। अब नौ मार्च को क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला दिल्ली के पालम वायुसेना मैदान पर मुंबई से होगा। सौराष्ट्र टीम इस प्रकार है = जयदेव उनादकट (कप्तान), कमलेश मकवाना, चिराग जानी, अर्पित वासवडा, स्नेल पटेल, विश्वराजसिंह जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, अवि बारोट, प्रेरक मांकड़, हार्विक देसाई, समर्थ व्यास, चेतन सकारिया, दिव्यराज सिंह चौहान, कुशांग पटेल, पार्थ चौहान, पार्थ भूत, जय चौहान, देवांग के, किशन परमार। मुख्य कोच = सितांशु कोटक। कोच = नीरज ओडेदरा।

सुशीला को ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सुशीला चानू को अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों में टीम के पद जीतने की उम्मीदें हैं। सुशीला ने कहा है कि टीम टोक्यो ओलिंपिक में जरुर पदक जीतेगी। सुशीला ने कहा कि अगला वर्ष टीम के लिए अहम और चुनौतीपूर्ण है। टीम को एक के बाद एक मैच खेलना होगा। हमें आराम के लिए कम समय मिलेगा। हमें हालांकि, इसकी आदत हो गयी है। हमारे पास इतिहास बनाने के मौका है। यह पहली बार है, जब महिला टीम लगातार ओलिंपिक में भाग लेगी, और इस बार हम पोडियम तक पहुंचेंगे। सुशीला ने टीम के लिए लगातार अपना योगदान दिया है और उन्हें उम्मीद है कि वह अगले वर्ष टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा, यह वर्ष हर किसी के लिए अजीबोगरीब रहा। राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी तौर पर मैंने हमेशा भाग-दौड़ भरे माहौल के अनुरूप खुद को ढालने की कोशिश की है।

पंत के शतक से भारत ने बनाई बढ़त

अंतिम टेस्ट, दूसरा दिन: भारत ने ली 89 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त

अहमदाबाद। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के शतक (101) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 60) की मदद से भारत ने चौथे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन 7 विकेट पर 294 रनों का स्कोर बना लिया है। इसके साथ ही भारत ने 89 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली है। खेल समाप्ति पर सुंदर के साथ अक्षर पटेल 11 रन बनाकर नाबाद है। पंत ने 17 पारी के बाद टेस्ट कॅरियर का तीसरा शतक जमाया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सुबह एक विकेट पर 24 रनों से आगे खेलना शुरू किया। चेतेश्वर पुजारा अपने स्कोर में दो ही रन जोड़ पाए थे कि जैक लीच ने उन्हें पगबाधा आउट कर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान विराट कोहली का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। कोहली को बेन स्टोक्स ने विकेट के पीछे लपकवाया। कोहली खाता भी नहीं खोल पाए। टेस्ट क्रिकेट में कोहली 12वीं बार शून्य पर आउट हुए। वे पिछली पारी में भी खाता नहीं खोल पाए थे। दूसरे छोर पर रोहित शर्मा ने कुछ अच्छे शॉट लगाए। रोहित ने अजिंक्य रहाणे (27) के साथ चौथे विकेट के लिए 39 रनों की साझेदारी की। रहाणे को एंडरसन ने अपना दूसरा शिकार बनाया। रोहित ने पंत के साथ पांचवें विकेट के लिए 41 रन जोड़े। रोहित अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे स्टोक्स ने 49 रनों पर उनकी पारी का अंत कर दिया। रोहित ने 144 गेंदों का सामना करते हुए 7 चौकों की मदद से अपनी पारी खेली। इसके बाद आर अश्विन (13) को लीच ने अपना दूसरा शिकार बनाया। एक समय लग रहा था कि भारतीय पारी 200 के अंदर ही सिमट जाएगी। लेकिन, दूसरे छोर पर पंत ने मुस्तैदी के साथ शानदार ग्राउंड शॉट खेले और शतक पूरा किया। उन्होंने सुंदर के साथ टीम के स्कोर को 250 पार पहुंचाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 113 रनों की साझेदारी कर भारत को बढ़त दिलाई। पंत ने अपने टेस्ट कॅरियर का तीसरा शतक लगाया। उन्होंने मात्र 118 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से पारी सजाई। अनुभवी गेंदबाज एंडरसन ने कप्तान जो रूट के हाथों कैच कराकर पंत की पारी का समापन किया। दूसरी ओर, सुंदर ने अपना अर्धशतक पूरा किया। सुंदर 117 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर नाबाद है। इंग्लैंड की ओर से एंडरसन ने 3 और स्टोक्स व लीच ने 2-2 विकेट झटके। कोहली बतौर कप्तान 8वीं बार खाता नहीं खोल पाए। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है। सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग (13) के नाम है। दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ (10) हैं।

अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने को मिला: ज्योति

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी ज्योति ने कहा है कि अनुभवी खिलाडियों के साथ लगातार खेलते रहने के साथ ही प्रशिक्षण से भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। ज्योति ने मलेशिया दौरे से महिला टीम की ओर से खेलना शुरु किया था। उस विशेष दौरे के दौरान भारतीय टीम ने चार मैच जीते और एक मैच ड्रा रहा। ज्योति ने कहा, मैं महिलाओं के इस शानदार समूह का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि हमारे पास जितने अनुभवी खिलाड़ी हैं, उससे मुझे निश्चित रूप से लाभ हुआ है। मैं हमेशा इन खिलाडियों से कुछ न कुछ हासिल करने के लिए तत्पर रहती हूं। भारत में महिला टीम की खिलाड़ी होने का यह एक शानदार समय है, हॉकी इंडिया के समर्थन के कारण ही हमें काफी एक्सपोजर मिला है। ज्योति ने कहा, मेरा मानना है कि मेरे लिए यह एक शानदार अवसर है कि मैं आगे बढ़ूं और तेजी से बढ़ूं क्योंकि मुझे यहां अपनी टीम में बहुत सारे विश्वस्तरीय खिलाड़ी मिले हैं। वंदना, रानी, नवजोत, नवनीत के रुप में मेरे पास ऐसे खिलाडियों का एक ऐसा समूह है जो मेरी क्षमताओं पर विश्वास करते हुए हमेशा मेरे खेलने में सहायता करता है।

ग्रीम स्वान ने 2012 में धोनी वाली टीम इंडिया को बताया विराट कोहली की मौजूदा टीम से बेहतर

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ने कहा- कोहली को वॉ और लॉयड जैसे

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान का मानना है कि मौजूदा टीम इंडिया को इतिहास की सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम बनने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। स्वान ने ये बात पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर के उस बयान के बाद कही, जिसमें उन्होंने कोहली की अगुवाई वाली मौजूदा टीम को भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक कहा था। गावस्कर ने मौजूदा भारतीय टीम की तुलना 1986 में बेंसन एंड हेजेस वर्ल्ड सीरीज जीतने वाली टीम से की थी। दरअसल, कोहली की टीम इंडिया अब तक की सबसे मजबूत टीम है, इससे जुड़े सवाल पर गावस्कर ने स्टीव वॉ की अगुवाई वाली 1990 की ऑस्ट्रेलियाई टीम और 1970-80 में क्लाइव लॉयड की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम से इसकी तुलना की थी। हालांकि, स्वान इससे सहमत नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि कोहली को वॉ और लॉयड जैसे कप्तानों की फेहरिस्त में शामिल करना जल्दबाजी होगी। अपनी इस सोच के समर्थन में स्वान ने कहा कि 2012 में मैंने जिस भारतीय टीम के खिलाफ खेला था, वो कोहली की अगुवाई वाली मौजूदा टीम से बेहतर थी। मेरा मतलब है कि हम भारत को कैसे हराते, शायद मैं दोबारा नहीं जान पाऊंगा। तब की भारतीय टीम अच्छी थी। मेरा सोचना है कि तब भारत के पास अच्छा कप्तान भी था। मुझे लगता है कि ये बहुत मुश्किल है कि हम विराट कोहली को क्लाइव लॉयड, स्टीव वॉ जैसे कप्तानों की लिस्ट में रखें। इस ऑफ स्पिनर ने आगे कहा कि मौजूदा टीम इंडिया इस वक्त काफी अच्छी है। उसने दो महीने पहले ही ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया। फिर भी मुझे नहीं लगता कि जिस ऑस्ट्रेलियाई टीम का सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी ने सामना किया था, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई टीम उसके मुकाबले में कहीं खड़ी होती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

मुंबई । घरेलू बाजार में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार को लगातार छठे दिन पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इसके पहले 27 फरवरी को पेट्रोल और डीजल के दाम ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गए। दिल्ली में 5 मार्च को पेट्रोल के दाम 91.17 रुपए प्रति लीटर और डीजल के भाव 81.47 रुपए प्रति लीटर हैं। मुंबई में भी पेट्रोल के भाव 97.57 रुपए प्रति लीटर और डीजल के भाव 88.60 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में भी पेट्रोल के दाम 91.35 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 84.35 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में भी पेट्रोल के दाम 93.11 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.45 रुपए प्रति लीटर हैं। इसी तरह बेंगलुरु में भी पेट्रोल के दाम 94.22 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.37 रुपए प्रति लीटर हैं।

सोना सस्ता, चांदी में मामूली बढ़त

मुंबई । सोने की कीमतों में लगातार गिरावट ?दिखाई दे रही है। सोना 45000 रुपए प्रति 10 ग्राम के नीचे चल रहा है। शुक्रवार सुबह एमसीएक्स पर सोना 44444 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। गुरुवार शाम को यह 44541 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। शुक्रवार सुबह सोना एमसीएक्स पर 44326 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। चांदी सोने से ?विपरीत रुख दर्शा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को चांदी मामूली बढ़त के साथ 65,931 रुपए प्रति किलो पर खुली। गुरुवार को यह 65921 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दिल्ली के सर्राफा बाजार में गुरुवार को सोने का भाव 217 रुपए की गिरावट के साथ 44,372 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 44,589 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दूसरी तरफ चांदी 1,217 रुपए गिरकर 66,598 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है. जो पिछले कारोबारी सत्र में 67,815 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

एमजी मोटर ने फरवरी में बेची 4,329 कारें

भारत में 215फीसदी ज्यादा हुई बिक्री

नई दिल्ली । चीन अधिकृत ब्रिटिश कार निर्माता ने फरवरी 2021 में कुल 4,329 कारों की बिक्री की, जो फरवरी 2020 की तुलना में 215 फीसदी ज्यादा है। एमजी मोटर इंडिया ने फरवरी 2021 की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। फरवरी 2020 में कंपनी केवल एमजी मोटर और एमजी झेडएस ईवी जैसी गाड़ियों की भारतीय बाजार में बिक्री कर रही थी। जबकि, अब कंपनी एमजी मोटर, झेडएस ईवी के साथ एमजी हेक्टर प्लस और एमजी ग्लोस्टेर जैसी गाड़ियों की भी भारतीय बाजार में बिक्री कर रही है।

फरवरी में हुई कंपनी की बिक्री की तुलना अगर पिछले महीने यानी कि जनवरी 2021 से करें, तो एमजी मोटर की बिक्री में 20 फीसदी की महीना दर महीना बढ़त दर्ज की गई है। कंपनी ने जनवरी महीने में हेक्टर लाइनअप को कॉस्मैटिक बदलावों और अपग्रेड फीचर्स के साथ लॉन्च किया था। खास बात यह है कि एमजी मोटर और हेक्टर प्लस डीसीटी पेट्रोल की तुलना में इसके नए वेरिएंट की कीमतों में कोई भी बदलाव नहीं किया गया। एमजी मोटर और एमजी हेक्टर प्लस का नया सीवीटी यूनिट, 1.5-लीटर, 4-सिलिंडर पेट्रोल इंजन के साथ आता है, जो 141 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है।बता दें कि जनवरी 2021 में कंपनी ने 3,602 गाड़ियों की भारतीय बाजार में बिक्री की थी। इससे पहले पिछले महीने एमजी मोटर इंडिया ने अपने एमजी मोटर और एमजी हेक्टर प्लस के सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स वेरिएंट को भारत में लॉन्च किया।

मध्यप्रदेश में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के अवसर विषय पर ग्वालियर में शिखर सम्मेलन आयोजित

फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिये उद्यमी आगे आएँ, सरकार हर संभव मदद करेगी : तोमर

ग्वालियर।

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कृषि एवं पंचायतीराज व ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा है कि ग्वालियर ङ्क चंबल अंचल प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना के लिहाज से अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। इनका दोहन करके इस क्षेत्र के छोटे व मझौले किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त किया जा सकता है। सरकार की फूड प्रोसेसिंग योजनाओं का लाभ उठाकर उद्यमी इस क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयाँ (फूड प्रोसेसिंग यूनिट) लगाने के लिये आगे आएँ। सरकार फूड प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द मंजूरी दे रही है। श्री तोमर ग्वालियर में आयोजित हुए खाद्य प्रसंस्करण शिखर सम्मेलन को वर्चुअल रूप से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा खाद्य प्रसंस्करण से जुड़कर किसान भी समृद्ध होंगे। साथ ही उद्यमियों को भी बड़ा फायदा होगा।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह की मौजूदगी में हुआ आयोजन

मध्यप्रदेश में कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के अवसर और समावेशी विकास के लिये निर्माण साझेदारी विषय पर शुक्रवार को यहाँ होटल रेडीसन में आयोजित हुए इस शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि आत्मनिर्भर पैकेज के तहत भारत सरकार फूड प्रोसेसिंग की 10 हजार छोटी इकाईयों की स्थापना में मदद देने का निर्णय लिया है। साथ ही कृषि अधोसंरचना पर भी सरकार एक लाख करोड़ रूपए खर्च करेगी। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल अंचल सांस्कृतिक, पुरातात्विक, व्यापारिक क्षेत्र के साथ ही कृषि के क्षेत्र में भी समृद्ध है। यहां गेहूं और धान का उत्पादन तो अच्छा होता ही है दलहन व तिलहन और विशेषकर सरसों के उत्पादन, प्रसंस्करण की भी अपार संभावनाएं हैं। मुरैना, भिण्ड और ग्वालियर में तिलहन प्रसंस्करण के कई उद्योग सुचारू रूप से चल रहे हैं, लेकिन अब इसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है। श्री तोमर ने कहा कि मुरैना जिला शहद की दृष्टि से भी अग्रणी है। नेफेड ने शहद का एक एफपीओ बनाया है, इसके माध्यम से गुणवत्ता युक्त शहद उत्पादन में वृद्धि, बेहतर पैकेजिंग-मार्केटिंग हो पाएगी। हमारे यहां का शहद देश के साथ दुनिया में भी बिके इसका प्रयास किया जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की पहल पर इस खाद्य प्रसंस्करण सम्मेलन में ग्वालियर एवं चंबल संभाग पर फोकस रहा। क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सम्मेलन में साझा की गई। साथ ही उद्यमियों को बिजली और पानी की उपलब्धता, पर्याप्त भंडारण और निवेशकों के लिए परिवहन के बुनियादी ढांचे आदि के बारे में बताया गया। सम्मेलन में सरकार को व्यापार (क्ष2 त), व्यापार से व्यापार (क्ष2, क्ष) बैठकें भी हुईं। केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, राज्य शासन, एसोचैम और इन्वेस्ट इंडिया की संयुक्त भागीदारी से आयोजित हुए इस शिखर सम्मेलन में विभिन्न फूड प्रोसेसिंग इकाईयों मसलन डाबर, पतंजलि, साँची, आनंद डेयरी व कोकोकोला सहित अन्य कंपनियों एवं फ्लिपकार्ड जैसी खुदरा व्यापार कंपनियों ने हिस्सा लिया। साथ ही खाद्य उत्पादक संगठन, स्व-सहायता समूह व पीएमएफएमई में पंजीकृत उद्यमियों ने अपनी-अपनी खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के उत्पादों की जानकारी और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने शिखर सम्मेलन में जानकारी दी कि किसानों की समृद्धि के लिये भारत सरकार 10 हजार नए एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) बनायेगी। इन एफपीओ पर सरकार द्वारा 6 हजार 865 करोड़ रूपए खर्च किए जायेंगे। एफपीओ यदि खेती के लिए 2 करोड़ रुपए तक का ऋण लेते हैं तो उन्हें ब्याज में 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

178 लाख रूपए लागत के 21 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मुरार विकासखण्ड में हर 15 कि.मी. के दायरे में बनेंगे मॉडल स्कूल : भारत सिंह कुशवाह

ग्वालियर।

मुरार विकासखण्ड में हर 15 किलोमीटर के दायरे में मॉडल स्कूल विकसित किए जायेंगे। इन स्कूलों में आधुनिकतम शिक्षा सुविधायें जुटाई जायेंगीं। साथ ही उत्कृष्ट भवन का निर्माण भी होगा। यह बात प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने ग्राम फुसावली के हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित हुए कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 178 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। जिसमें 74 लाख 81 हजार रूपए की लागत से निर्मित होने जा रही नल-जल योजना शामिल है।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि फुसावली में नल-जल योजना बनने के बाद घर-घर नल से पानी पहुँचेगा। इससे खासतौर पर महिलाओं को बहुत सुविधा मिलेगी। श्री कुशवाह ने जिन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उसमें 6 सीसी रोड़, दो चैकडैम, एक नाला निर्माण, दो लूज बोल्डर निर्माण व एक सीपीडब्ल्यू का लोकार्पण शामिल है। इसके अलावा उन्होंने तीन लूज बोल्डर निर्माण, एक नाला गहरीकरण व एक पहुँचमार्ग का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने किसानों का आह्वान किया कि वे अपनी आमदनी बढ़ाने के लिये पारंपरिक खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलें भी प्रमुखता से अपनाएँ। सरकार इसके लिये अनुदान देती है। साथ ही किसानों की फसल को सुरक्षित रखने के लिये खेत से लेकर बाजार तक कोल्ड स्टोर निर्माण के लिये अनुदान दे रही है। उन्होंने कहा किसान अपनी उपज का प्रसंस्करण कर आय को दुगुना कर सकते हैं। इस अवसर पर सर्वश्री प्रेम सिंह राजपूत, रमेश शर्मा व दीवान सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा एसडीएम श्री एच बी शर्मा व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने अग्नि पीड़ित परिवारों को फुसावली में आयोजित हुए कार्यक्रम के दौरान आर्थिक सहायता के चैक सौंपे। उन्होंने श्री वासुदेव बघेल को लगभग एक लाख और श्री विकास सेंगर को 19 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहायता राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत दी गई है।

त्रुटिरहित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिये प्रशिक्षण आयोजित

ग्वालियर। जिला कोषालय अधिकारी के साथ तकनीकी अमले द्वारा पेंशन प्रकरणों को तैयार करने के लिये अधिकारी-कर्मचारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में शुक्रवार को कम्प्यूटर प्रणाली के माध्यम से पेंशन प्रकरणों को तैयार करने के लिये दिया गया। इसमें पेंशन प्रकरण तैयार करने की बारीकियों को दो सत्रों में समझाया गया। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्री योगेन्द्र सक्सेना, संयुक्त संचालक पेंशन श्री पी के शर्मा, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री प्रमोद सक्सेना, उपसंचालक तकनीकी श्री विक्रम कामले तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षण के दौरान कार्यालय प्रमुखों एवं उनके द्वारा प्रशिक्षण के लिये भेजे गए कर्मचारियों से संवाद किया गया। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के पेंशन अधिकारी तथा कोष एवं लेखा के संयुक्त संचालक ने पेंशन प्रकरणों के निराकरण में आ रही कठिनाईयों के नियमानुसार निराकरण तथा पेंशन प्रकरण तैयार करने में ध्यान रखने योग्य आवश्यक जानकारी दी गई। संयुक्त संचालक पेंशन श्री शर्मा द्वारा बताया गया कि पेंशन प्रकरणों की अपूर्णता / त्रुटि के प्रमुख कारण, एम्प्लॉई डाटाबेस अपडेट न होना, नोमिनेशन डिटेल में परिवार के सदस्यों के साथ संबंध, नोमिनेशन प्रतिशत, निवास का पता अंकित न होना, एलपीसी अपडेट न होना, डीए रेट न भरा जाना तथा परिवार पेंशन प्रकरणों को अधिवार्षिकी पेंशन मॉड्यूल के माध्यम से प्रस्तुत करना है।

एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन पत्रकार हित में सबसे आगे रहेगी, संकल्प लिया बैठक हुई, भारी संख्या में पत्रकार पहुंचे

ग्वालियर। मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर पौधा रोपा , युवा पत्रकारों के लिये नई कालोनी वसाहट का संकल्प लिया ग्वालियर। एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की ग्वालियर जिला इकाई की पहली बैठक आज वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश सम्राट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जहां एमपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन का सदस्यता अभियान जारी रखने पर सहमति बनी।वहीं ग्वालियर में पत्रकारों (वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों)की नई कालोनी को लेकर पहल करने ,ग्वालियर-चंबल संभाग की जिला इकाईयों को सक्रिय करने, नई नियुक्तियां करने, जिला व संभागीय सम्मेलन आयोजित करने, खेल प्रतियोगिताएं जैसे बैडमिंटन स्पर्धा आयोजित करने, पत्रकारों के लिये कार्यशालाएं करने, आदि निर्णय लिये गये। इस अवसर पर जहां बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्म दिवस पर उनके आवहान पर एक पौधा रोपा गया। वहीं वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र खंडेलवाल और कृष्णमुरारी शर्मा को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। इस अवसर पर अपने संबोधन में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सुरेश सम्राट ने पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि पत्रकार एक जुट हों । उन्होंने कहा कि पत्रकारों का संगठन का जब कुशल नेतृत्व के हाथों में हो तो वह अपनी एक बडी लकीर खींच कर आगे बढता है। डॉ. सम्राट ने कहा कि मैंने अपने पूरे पत्रकारिता के काल में किसी भी संगठन में इतनी बडी संख्या पत्रकारों की पहली बैठक में नहीं देखी जिसमें सभी बडे एवं छोटे समाचार पत्र , इलेक्ट्रोनिक मीडिया के पत्रकार हों।

कै. महाराज माधवराव सिंधिया की जयंती पर भजन संध्या 10 को

ग्वालियर। कैलाशवासी महाराज माधवराव सिंधिया के 76 वें जन्म दिवस के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन 10 मार्च को सायं 07-30 बजे से अम्मा महाराज की छत्री कटोराताल मार्ग पर रखी गई है। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, बाल खांडे , किशन मुदगल, रामवरन सिंह गुर्जर, नवीन परांडे, एवं गुड्डू वारसी ने आमजनों से भजन संध्या में शामिल होने का आग्रह किया है। भजन संध्या में संगीतज्ञ व भजन गायक राजेन्द्र पारिख, सुश्री सिनी एवं वीणा जोशी की प्रस्तुति देंगे।

मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर संभाग आयुक्त सक्सेना सहित अन्य अधिकारियों ने रोपे पौधे

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस पर संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना सहित संभाग आयुक्त कार्यालय के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। निर्माणाधीन संयुक्त राजस्व भवन (संभाग आयुक्त कार्यालय परिसर) में संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना व संभागीय उप आयुक्त श्री आर पी भारती सहित अन्य अधिकारियों ने पौधे रोपे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कुशवाह ने अशोक का पौधा रोपकर मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने अशोक का पौधा रोपकर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन मनाया। उन्होंने शुक्रवार को सुबह यहाँ व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार के प्रांगण में अशोक का पौधा रोपा। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पृथ्वी को बचाने के लिये वृक्षारोपण पवित्र सामाजिक अभियान शुरू किया है। हम सभी इस अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधे रोपकर धरती माता का श्रृंगार करें और पर्यावरण की रक्षा में सहभागी बनें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपील की थी कि 5 मार्च को मेरा जन्म-दिन फूलों के हार, स्वागत द्वार आदि के माध्यम से न मनाकर पेड़ लगाकर मनाएं। यही मेरे लिये सबसे अच्छा व सच्चा उपहार होगा।

कोविड-19 पर आधारित प्रदर्शनी जन सामान्य को महामारी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाऐगी : जी. एस. मौर्य

ग्वालियर। विज्ञान प्रसार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार एवं युवा विज्ञान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड -19 पर आधारित साइंस एक्टिविटी कार्नर एवं विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन अपर संचालक जन सम्पर्क श्री जी. एस. मौर्य ने किया। उन्होंने इस अवसर पर विज्ञान प्रसार के इस सराहनीय प्रयास की भूरीभूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि इस ज्ञान वर्धक प्रदर्शनी से कोविड-19 से बचाव की दिशा में सहायता मिलेगी। मेले में आने वाले दर्शकों को इस संबंध में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी तथा वे कोविड-19 से बचाव के लिए अधिक सावधानी वरत सकेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. ज्योति प्रियदर्शनी श्रीवास्तव ने कोविड -19 से बचाव

मेला प्रदर्शनी का पहला पंडाल उद्घाटित

के लिए वैक्सीनेशन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खतरा अभी टला नहीं है इसलिए एस एम एस अर्थात सोशल डिस्टेंशिंग, मास्क और सेनिटाइजर का उपयोग बहुत जरूरी है। प्रदर्शनी के रूपांकन एवं संदेश सम्प्रेषण की सराहना करते हुए उन्होंने विज्ञान विस्तार संस्था और स्थानीय ईकाई के कार्य कर्ताओं को साधूवाद दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षत सेवा निवृत्त संयुक्त संचालक जन सम्पर्क श्री सुभाष अरोरा ने की। समय पर सबसे पहले उन्होंने प्रदर्शनी स्थापित करने और प्रदर्शनी को कोविड-19 पर केन्द्रित करने को अत्यधिक प्रासंगिक निरूपित किया। उन्होंने कहा कि आज देश को कोविड-19 से बचाव के प्रति जागरूक होने की महती आवश्यकता है। इस अवसर पर सर्वश्री डी. दयाल, भोपाल, नवीन श्रीवास्तव, अशोक दयाल, शैलेन्द्र उपाध्याय सहित परिषद के सचिव सुनील आनंद उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता -

पोस्टर के लिए विषय -
प्राथमिक कक्षाओं के लिए - कोविड-19 से बचने के लिए क्या करें ?
माध्यमिक कक्षाओं के लिए - कोविड-19 का समाज पर प्रभाव
उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए - कोविड -19 महामारी से बचें और बचायें वैज्ञानिक नजरिया अपनाऐं।
1.विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता-
विषय - संक्रामक रोगों से कैसे लड़ें।
2. चित्रकला प्रतियोगिता -
चित्रकला के लिए विषय -
प्राथमिक कक्षाओं के लिए विषय - स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
माध्यमिक कक्षाओं के लिए विषय -कोविड-19 से लड़ाई और भविष्य की तैयारी
उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए विषय - कोविड-19 से बचाव में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में वैक्सीनेशन का महत्व।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478